आज़ादी का अमृत महोत्सव

संस्कृति विभाग
उत्तर प्रदेश
की

4.5 वर्ष की उपलब्धियाँ

संस्कृति विभाग
उत्तर प्रदेश

प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्द्धन एवं प्रदर्शन हेतु संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश की स्थापना 1957 में की गयी थी। इस विभाग के अन्तर्गत तीन निदेशालय– संस्कृति निदेशालय, उ0प्र0 पुरातत्व निदेशालय तथा उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय कार्याधीन है।

- संस्कृति निदेशालय उ0प्र0 द्वारा अपनी अधीनस्थ इकाईयों के माध्यम से प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, संवर्द्धन का कार्य।
- कला के विविध रूपों सम्बन्धी सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन–प्रायोजन।
- 60 वर्ष के वृद्ध एवं विपन्न कलाकारों को मासिक पेंशन।
- देश की महान विभूतियों की स्मृति को जनमानस में बनाये रखने एवं उन्हें प्रेरित करने के उद्देश्य से मूर्तियों का निर्माण।
- सामान्य जन की सांस्कृतिक अभिरूचि में अभिवृद्धि करने के उद्देश्य से प्रदेश के विभिन्न जनपदों में प्रेक्षागृह/सांस्कृतिक संकुल का निर्माण।
- गज़ल, दादरा व ठुमरी क्षेत्र में प्रसिद्ध चयनित महानुभावों को 'बेगम अख्तर' पुरस्कार प्रदान किया जाना।
- पुरातत्व विभाग द्वारा पुरातात्विक महत्व के स्थलों/स्मारकों का संरक्षण, उत्खनन।
- उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय द्वारा ऐतिहासिक महत्व की धरोहर की सुरक्षा, संरक्षण एवं प्रदर्शन।
- उ0प्र0 राज्य अभिलेखागार एवं उनकी इकाईयों द्वारा अभिलेखों का संरक्षण।
- भातखण्डे संगीत संस्थान, कथक केन्द्र, भारतेन्दु नाट्य अकादमी एवं राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा क्रमशः शास्त्रीय, उपशास्त्रीय, लोक संगीत एवं नाट्य विधाओं की उच्च स्तरीय शिक्षा।
- उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी द्वारा संगीत, नृत्य एवं लोक संगीत की विधाओं का प्रचार–प्रसार एवं संवर्धन।
- उ0प्र0 राज्य ललित कला अकादमी द्वारा ललित कलाओं (चित्रकला, मूर्तिकला एवं ग्राफिक कला) का प्रोत्साहन एवं विकास।
- अयोध्या शोध संस्थान द्वारा अवध एवं विशेष रूप से अयोध्या तथा जैन संस्कृति, साहित्य आदि का संरक्षण, प्रोत्साहन एवं विकास।
- राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा कथक की समृद्धिशाली परम्पराओं का संरक्षण एवं संवर्द्धन।
- उ0प्र0 जैन विद्या शोध संस्थान द्वारा जैन कला एवं संस्कृति सम्बन्धी शोध संरक्षण एवं संवर्द्धन।
- लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान द्वारा जनजाति एवं लोक संस्कृति का संरक्षण एवं संवर्द्धन।
- अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान द्वारा बौद्ध साहित्य, पाली भाषा आदि पर अध्ययन, शोध, सर्वेक्षण आदि कार्य।
- संत कबीर अकादमी, मगहर, संत कबीर नगर द्वारा संत कबीर दास जी के जीवन एवं दर्शन पर आधारित अन्तर्राष्ट्रीय स्तर के शोध, सर्वेक्षण, प्रकाशन आदि कार्य।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी की मूर्ति का
अनावरण समारोह

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

1. संस्कृति निदेशालय उ0प्र0

- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार लखनऊ
  - क्षेत्रीय अभिलेखागार, प्रयागराज, वाराणसी एवं आगरा।
  - राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय प्रयागराज।
- क्षेत्रीय सांस्कृतिक केन्द्र
- स्वायत्तशासी संस्थायें
  - भातखण्डे संगीत संस्थान सम–विश्वविद्यालय
  - उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी
  - उ0प्र0 राज्य ललित कला अकादमी
  - भारतेन्दु नाट्य अकादमी
  - अयोध्या शोध संस्थान
  - राष्ट्रीय कथक संस्थान
  - जैन विद्या शोध संस्थान
  - जनजाति एवं लोक कला संस्कृति संस्थान
  - संत कबीर अकादमी, मगहर, संत कबीर नगर
  - अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान
- वित्त पोषित संस्थायें
  - वृन्दावन शोध संस्थान, वृन्दावन
  - अखिल भारतीय संस्कृत परिषद, लखनऊ
  - कैफी आज़मी अकादमी लखनऊ

2. उ0प्र0 राज्य पुरातत्व निदेशालय

- क्षेत्रीय पुरातत्व, इकाई, आगरा, झांसी वाराणसी, प्रयागराज एवं गोरखपुर

3. उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय

- राज्य संग्रहालय, लखनऊ
- राजकीय संग्रहालय, झांसी, मथुरा एवं कन्नौज
- राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर, कुशीनगर, सिद्धार्थनगर
- अंतर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय, अयोध्या
- लोक कला संग्रहालय, लखनऊ
- जनपदीय संग्रहालय, सुल्तानपुर
- राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ
- राजकीय जैन संग्रहालय, मथुरा
- डॉ0 भीमराव आंबेडकर संग्रहालय एवं पुस्तकालय, रामपुर
- कालका बिन्दादीन ड्योढ़ी एवं कथक संग्रहालय, लखनऊ
- स्व0 लाल बहादुर शास्त्री स्मृति संग्रहालय, वाराणसी
- बाल संग्रहालय, कन्नौज
- थारु जनजाति संग्रहालय, इमिलिया कोडर, बलरामपुर

संस्कृति विभाग, उ.प्र.

4.5 वर्षों का आयोजन

चौरी-चौरा शताब्दी महोत्सव का शुभारम्भ, गोरखपुर

संस्कृति विभाग प्रदेश सरकार का अत्यन्त महत्वपूर्ण विभाग है। आज़ादी के बाद संस्कृति विभाग को सबसे ज्यादा महत्व वर्तमान सरकार में प्राप्त हुआ तथा विकास एवं कल्याणकारी दोनों ही एजेण्डे में विगत साढ़े चार वर्षों में अनेक उपलब्धियां रहीं है। वर्तमान सरकार संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्द्धन के क्षेत्र में कार्य करने हेतु सतत् प्रयत्नशील है तथा इस दिशा में संस्कृति विभाग द्वारा अनेक कार्य किये गये जिनका संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत है:

उत्तर प्रदेश दिवस, लखनऊ

मानानीय मुख्यमंत्री जी द्वारा उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर दीप प्रज्जवलन

पुरातन काल से उत्तर प्रदेश मध्य देश के नाम से प्रसिद्ध था। उत्तर प्रदेश भारत का सबसे बड़ा राज्य है। प्रदेश का इतिहास लगभग 4000 वर्ष पुराना है। संसार के प्राचीनतम् नगरों में एक माने जाने वाला वाराणसी नगर यही पर स्थित है। उत्तर प्रदेश हिन्दू धर्म का प्रमुख स्थल रहा है। भगवान श्री राम एवं एवं कृष्ण का जन्म इसी पावन भूमि पर हुआ है। उत्तर प्रदेश सहित्य, शिक्षा, विज्ञान, प्रद्यौगिकी, नवाचार, प्रशासन, कृषि, खेल आदि क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाला समृद्धशाली प्रदेश रहा है। उत्तर प्रदेश का गठन किये जाने के सम्बन्ध में दिनांक 24 जनवरी, 1950 में तत्कालीन मा0 मुख्यमंत्री पं0 गोविन्द बल्लभ पंत के कार्यकाल में प्रदेश का नाम उत्तर प्रदेश किया गया। वर्ष 2017 में वर्तमान सरकार के गठन के उपरान्त पहली बार प्रदेश का स्थापना दिवस मनाये जाने का निर्णय लिया गया। तब से अभी तक वर्तमान सरकार द्वारा दिनांक 24 जनवरी को उत्तर प्रदेश गठन दिवस के रूप में निरंतर मानाया जा रहा है। इस अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है।

- वित्तीय वर्ष 2017–18, 2018–19, 2019–20 एवं 2020–21 में संस्कृति विभाग द्वारा इस अवसर पर प्रदेश के 18 मण्डलों में राज्य स्तरीय सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित करायीं जाती है। इन प्रतियोगिताओं में उत्तर प्रदेश के विविध लोक विधाओं यथा–थारू जनजाति लोकनृत्य, धोबिया लोकनृत्य, बिरहा लोकगायन, भोजपुरी लोकगायन, कर्मा, ढिढिया, दीवारी, पाई डण्डा लोकनृत्य, आल्हा गायन, रागिनी, स्वांग, रासलीला, फाग गायन, जिकड़ी भजन, कव्वाली, फरूवाही नृत्य, रामलीला आदि को सम्मिलित किया जाता है। इन प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में मंच प्रदान किया जाता है। युवा नवोदित कलाकारों को प्रदेश की राजधानी में इस अवसर पर मंच प्रदान कर उनकी प्रतिभा को निखारने का एक नया अवसर प्रदान किया जाता है।

मण्डलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता में विजयी दल की यू.पी. दिवस में प्रस्तुति

मीरजापुर मण्डल में मण्डलीय सांस्कृतिक प्रतियोगिता

यू.पी. दिवस के अवसर पर कुटीर उद्योग के उद्यमियों का सम्मान एवं चाक का वितरण

- साहित्य, शिक्षा, उद्योग, विज्ञान एवं प्राद्योगिकी, नवाचार, प्रशासन, संस्कृति, खेल एवं कृषि आदि क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां अर्जित करने वाले प्रदेश की महान विभूतियों एवं प्रान्तों में रहने वाले उत्तर प्रदेश के वासियों को इस अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा सम्मानित किया जाता है।

युवा कल्याण विभाग द्वारा राज्य स्तरीय विवेकानंद यूथ अवार्ड का वितरण

उत्तर प्रदेश दिवस के अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा प्रदर्शनियों का आयोजन

यू.पी. दिवस के अवसर पर माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री जी द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन

पं0 दीन दयाल उपाध्याय जन्मशती महोत्सव – 2017

वर्ष 2017 में पं0 दीन दयाल उपाध्याय के जन्म दिवस पर शताब्दी समारोह का आयोजन किया गया। पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्म शताब्दी समारोह के अन्तर्गत लखनऊ में चित्रकार शिविर का आयोजन, मथुरा में बरखा बहार का आयोजन, अयोध्या में सावन झूला उत्सव, मुग़लसराय में चन्द्रगुप्त नाट्य प्रस्तुति, वाराणसी में शकराचार्य नाट्य प्रस्तुति तथा मथुरा में फरह महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसके अन्तर्गत विभाग द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, प्रदर्शनियों तथा कार्यशालाओं का आयोजन किया गया।

पं. दीनदयाल जन्म शताब्दी समारोह, चन्दौली, वाराणसी

पं0 दीन दयाल उपाध्याय जन्मशती महोत्सव – 2017

पं. दीनदयाल जन्म शताब्दी के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा दर्शकों का अभिवादन

पं. दीनदयाल जन्म शताब्दी के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

पं0 दीन दयाल उपाध्याय
जन्मशती महोत्सव – 2017

पं. दीनदयाल जन्म शताब्दी के अवसर पर कन्या पूजन

पं. दीनदयाल जन्म शताब्दी के अवसर पर सांस्कृतिक शोभा यात्रा

देव दीपावली, वाराणसी

देव दीपावली का आयोजन काशी में पर्यटन विभाग एवं स्थानीय प्रशासन के सहयोग से मनाया जाता है। उपर्युक्त आयोजन को देखने के लिए देश–विदेश से लाखों की संख्या में पर्यटक वाराणसी में आते है। उक्त कार्यक्रम में संस्कृति विभाग द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम कराये जाते है।

देव दीपावली, वाराणसी के अवसर पर दीप प्रज्जवलन

देव दीपावली, वाराणसी के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम

दीपोत्सव, अयोध्या

भगवान राम के अयोध्या आगमन पर पूरी दुनिया में हजारों वर्षों से दीपावली मनायी जाती है जिसे पहली बार प्रदेश सरकार ने भव्य रूप में प्रस्तुत कर अयोध्या को विश्व पर्यटन मानचित्र में स्थापित किया। तीन वर्ष से लगातार हम अपने ही रिकार्ड को तोड़कर गिनीज बुक आफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की पत्नी, फीजी की लोकसभा अध्यक्ष मुख्य अतिथि के रूप में भागीदारी करती हैं जिससे वैश्विक स्तर पर अयोध्या एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में अपनी पहचान बनाता है।

दीपोत्सव, अयोध्या के अवसर पर माननीय मुख्यमंत्री जी को स्मृति चिन्ह भेंट किया जाना

रामलीला के अन्र्राष्ट्रीय कलाकारों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी का अभिवादन

दीपोत्सव, अयोध्या

प्रतिवर्ष दीपोत्सव के अवसर पर 5–5 देशों की रामलीलाओं के साथ पूरे देश और प्रदेश के लगभग दो हजार कलाकार सम्मिलित होते हैं।

- अयोध्या में बच्चों द्वारा रंगोली, राम–सीता स्वरूप सज्जा प्रतियोगिता, चित्र प्रतियोगिता आदि का आयोजन संस्कृति विभाग द्वारा किया जाता है।
- इस अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा प्रदेश की विविध कलाओं का प्रदर्शन करते हुए लगभग 1000 कलाकारों के माध्यम से सांस्कृतिक शोभा यात्रा एवं मंचीय प्रस्तुतियां करायी जाती है।
- संस्कृति विभाग के अयोध्या शोध संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष रंगोली निर्माण एवं राम की सांस्कृतिक विश्व यात्रा विषयक प्रदर्शनी का भी आयोजन किया जाता है।

रामलीला की प्रस्तुतियों की झलक

दीपोत्सव, अयोध्या **2019** में **2700** छात्र-छात्राओं द्वारा चित्रकला शिविर का आयोजन

दीपोत्सव, अयोध्या

दीपोत्सव, अयोध्या में शोभा यात्रा का आयोजन

कृष्णोत्सव, मथुरा

भगवान कृष्ण की पावन जन्म भूमि मथुरा में उनके जन्म के अवसर पर मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा मथुरा, वृन्दावन के सांस्कृतिक महत्व को समझते हुए यहां पर भगवान श्री कृष्ण के जन्म अवसर पर कष्णोत्सव कार्यक्रम आयोजित किये जाने के निर्देश दिये। वर्ष 2019 में संस्कृति विभाग द्वारा कृष्णजन्मोत्सव के अवसर पर विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें देश एवं प्रदेश के लगभग 1300 कलाकारों द्वारा मंचीय एवं शोभा यात्रा तथा 16 लघु मंचों पर अपनी प्रस्तुति दी गयी।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव–2019

कृष्ण लीलाओं पर आधारित चित्रांकन

राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश द्वारा श्रीकृष्ण जन्मोत्सव–2019 के अवसर पर रामलीला मैदान, मथुरा में 150 मीटर के कैनवास पर प्रदेश के लगभग 100 युवा/वरिष्ठ कलाकारों के सहयोग से श्रीकृष्ण की लीलाओं के विविध रूपों को चित्रांकित कराया गया। उक्त आयोजन में अलीगढ़, लखनऊ, बाराबंकी, कानपुर, आगरा, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, अमरोहा, मेरठ, दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा के कलाकारों के साथ–साथ मथुरा के स्थानीय कलाकारों द्वारा रंगों के माध्यम से श्रीकृष्ण के प्रति अपने भावों को अभिव्यक्त किया गया।

रंगोत्सव, मथुरा

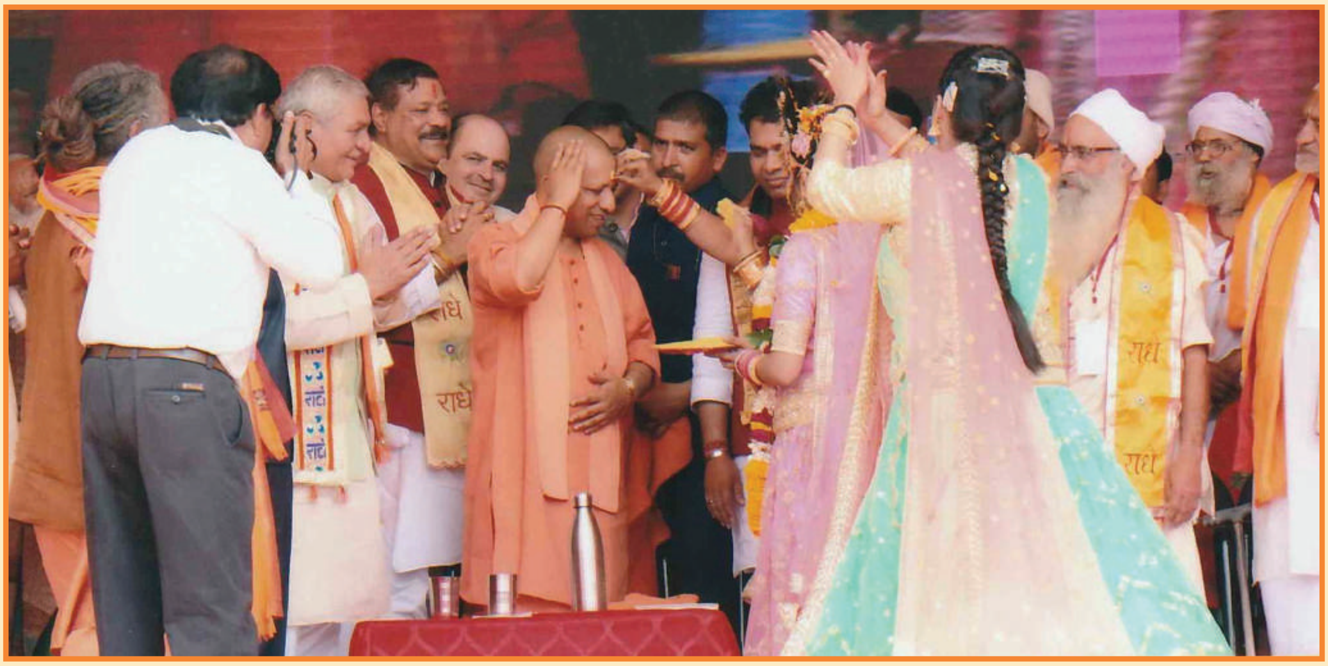

मथुरा होली की परम्परा के लिए विश्व प्रसिद्ध है। अनेक प्रकार की होली मथुरा में खेली जाती है जिसे वैश्विक स्तर पर कुछ लोग ही जान पाते थे। मा0 योगी आदित्यनाथ जी द्वारा इस त्योहार को नवीन रूप देते हुए मथुरा के वृन्दावन एवं बरसाना की होली को एक नया आयाम प्रदान किया गया। रंगोत्सव के माध्यम से बरसाना में होली की हजारों वर्षों की परम्परा को विश्व पर्यटन मानचित्र में स्थापित करने का कार्य किया गया है। इस अवसर पर विभाग द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों एवं शोभा यात्रा का आयोजन किया जाता है।

कुम्भ–2019, प्रयागराज

किसी उत्सव और महोत्सव में देश और विदेश के कलाकार सम्मिलित होते हैं तब वह वापस लौटने पर प्रदेश की कला और संस्कृति के बारे में भी मधुर स्मृतियां लेकर वापस लौटते हैं। ऐसा ही एक महा उत्सव वर्ष 2019 में कुम्भ मेला–2019 के रूप में हुआ। लगभग दस हजार कलाकारों के साथ संस्कृति विभाग ने 07 मंचों/प्रदर्शनी स्थलों के साथ 40 दिन तक निरन्तर विरासत की प्रस्तुतियां कीं जिसमें 11 देशों के रामलीला कलाकार भी सम्मिलित हुए। विदेश के रामलीला कलाकार कोई व्यवसायिक कलाकार नहीं थे इनमें इन्जीनियर, डाक्टर तथा अन्य क्षेत्रों के विशेषज्ञ भी थे। ये कलाकार भव्य, दिव्य, सुरक्षित एवं स्वच्छ कुम्भ को देखकर आविर्भूत हुए तथा अपनी सुखद स्मृतियों को निरन्तर अपने देश वासियों को भी अवगत कराते रहेंगे। कुम्भ मेला–2019 में सांस्कृतिक आयोजनों की तारीफ सभी ने की है। अनेक पुरस्कार और अध्ययन कुम्भ मेला–2019 पर हो रहे हैं परन्तु एक महत्पूर्ण बात मैं आप सबसे साझा करना चाहता हूँ कि मेले में ईसाई, मुस्लिम एवं बौद्ध धर्म को मानने वाले देश से भी कलाकार आये परन्तु सभी ने संगम में दिव्य स्नान किया जिसकी फोटो उन्होंने संचार के सभी माध्यमों से साझा की।

- 11 देशों क्रमशः श्री लंका, बांग्लादेश, सूरीनाम, फिजी, थाईलैण्ड, त्रिनिडाड एवं टोबैगो, नेपाल, मॉरीशस, रूस, इंडोनेशिया, मलेशिया के सांस्कृतिक दलों द्वारा रामलीला विषयक सांस्कृतिक प्रस्तुतियॉ दी गयी।
- 05 सांस्कृतिक मंचों – गंगा, यमुना, सरस्वती, भारद्वाज व अक्षयवट से 7000 कलाकारों द्वारा विविध प्रकृति की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन।
- प्रयागराज के विभिन्न 20 स्थलों पर 40 दिवसीय सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन।

कुम्भ–2019, प्रयागराज में सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ

कला कुम्भ – 2019

- 'कलाकुम्भ' में बहुमूल्य/ दुर्लभ अभिलेखों/ पाण्डुलिपियों/पुरातात्विक महत्व के स्मारकों/ संग्रहालय की कलाकृतियों की प्रदर्शनी।
- पेन्टिंग की विधाओं पर अखिल भारतीय कला प्रदर्शनी, छायाचित्र प्रदर्शनी, राष्ट्रीय कलाकार शिविर।

गांधी जयन्ती, लखनऊ

गांधी जी की 150वीं जयन्ती का आयोजन भारत सरकार के निर्देश पर संस्कृति विभाग, उ0प्र0 द्वारा प्रदेश के सभी विभागों के समन्वय से किया गया। भारत सरकार की भांति ही प्रदेश सरकार द्वारा माननीय राज्यपाल महोदय जी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय आयोजन समिति तथा माननीय मुख्यमंत्री जी की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय कार्यकारी समिति का गठन कर सभी क्षेत्रों से आपसी विचार–विमर्श कर आयोजन किये गये। गांधी जी को समर्पित तथा गांधी दर्शन पर आधारित वाद–विवाद, निबन्ध लेखन तथा अन्य सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं प्रत्येक जिले के प्रत्येक माध्यमिक स्कूलों में करायी गयीं। विधान सभा का विशेष सत्र भी आयोजित किया गया। 151 बच्चों द्वारा दांडी मार्च का प्रतीक आयोजन किया गया जो अत्यन्त लोकप्रिय रहा। गांधी जी के दर्शन से सम्बंधित स्वच्छता, स्वदेशी, स्वावलंबन, ग्राम स्वराज पर आधारित स्थायी योजना सम्बंधित विभागों द्वारा बनायी गयी हैं जिसे भारत सरकार को भी भेजा गया है।

महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयन्ती के स्मरणोत्सव के अन्तर्गत दिव्यांग छात्र, छात्राओं की चित्रकला प्रतियोगिता एवं प्रदर्शनी

आयोजक : राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश, संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश के सहयोग से

महात्मा गाँधी जी की 150वीं जयन्ती के उपलक्ष्य पर प्रदेश सरकार की प्रेरणा एवं संस्कृति विभाग, उ0प्र0 शासन के सहयोग से राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश द्वारा अवध शिल्पग्राम, लखनऊ में 02 व 03 अक्टूबर, 2018 को स्मरणोत्सव का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अकादमी द्वारा चित्र प्रदर्शनी (दिव्यांग छात्रों, कलाकारों द्वारा सृजित), हस्तशिल्प चित्र प्रदर्शनी (गेंहू डंठल के भूसे से सृजित चित्र) एवं दिव्यांग छात्र/कलाकारों द्वारा महात्मा गाँधी के व्यक्तित्व व कृतित्व पर आधारित चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी व प्रतियोगिता का उद्घाटन मा0 मुख्यमंत्री तथा मा0 राज्यपाल, उत्तर प्रदेश के कर कमलों द्वारा सम्पन्न हुआ।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जयन्ती समारोह, लखनऊ

भारत गणराज्य के प्रधानमंत्री रहे श्री अटल बिहारी बाजपेयी हिन्दी के ओजस्वी कवि, पत्रकार, प्रखर वक्ता और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के पुरोधा थे। उत्तर प्रदेश उनकी पैतृक जन्मभूमि और दीर्घ काल तक कर्म भूमि रही। आगरा जनपद के प्राचीन स्थान बटेश्वर के मूल निवासी श्री बाजपेयी का जन्म दिनांक 25 दिसम्बर, 1924 को शिन्दे की छावनी, मध्य प्रदेश में हुआ था। जहां उनके पिता अध्यापक थे। वह 04 दशको तक भारतीय संसद के सदस्य रहे। उत्तर प्रदेश के बलरामपुर तथा लखनऊ से उनका साहित्यिक, सांस्कृतिक, व राजनीतिक नाता रहा। ऐसे महापुरूष की जयन्ती के अवसर पर संस्कृति विभाग द्वारा विगत 03 वर्षों से प्रदेश स्तरीय कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता रहा है। कार्यक्रमों के अन्तर्गत संस्कृति विभाग की समस्त संस्थाओं द्वारा प्रतिभाग किया जाता है। जिसमें अटल जी की कविताओं पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम, चित्रकला शिविर, राष्ट्रीय कवि सम्मेलन एवं अभिलेख प्रदर्शनियों का आयोजन किया जाता है ।

अटल जयन्ती
2018

1– प्रयास बहुउद्देशीय सामाजिक संस्था, नागपुर द्वारा राष्ट्र पुरूष अटल महानाटक की प्रस्तुति।

2– कवि सम्मेलन (डा0 कुमार विश्वास, डा0 हरिओम पवार, डा0 कुँवर बेचैन, सुश्री कविता तिवारी, डा0 अब्दुल गफ्फार)

3– अटल जी द्वारा रचित ''मेरी 51 कविताओं'' की संगीतमय प्रस्तुति।

4– अटल जी के जीवन पर आधारित पोट्रेट कार्यशाला।

5– अटल जी के जीवन से सम्बन्धित चित्र प्रदर्शनी।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जयन्ती समारोह–2019

1– परिचर्चा–राष्ट्रधर्म, राष्ट्रवाद एवं श्री अटल बिहारी बाजपेयी जी (अध्यक्षता–श्री हृदय नारायण दीक्षित, मा0 अध्यक्ष, विधान सभा मुख्य वक्ता–प्रो0 राकेश सिन्हा, मा0 सांसद, राज्य सभा)

2– अटल मर्म–कथक नृत्य नाटिका।

3– मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी जी की लोक भवन, लखनऊ में स्थापित प्रतिमा का अनावरण।

4– कवि सम्मेलन– श्री शैलेश लोढ़ा, मुम्बई, श्री सुरेन्द्र दुबे, रायपुर, श्री विनीत चौहान, अलवर, श्री सर्वेश अस्थाना, लखनऊ

भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जयन्ती समारोह-2020

- स्मृति शेष – अटल जी के जीवन पर आधारित चित्रकला एवं म्यूरल कार्यशाला का आयोजन ।
- पुस्तक प्रदर्शनी– स्थानीय प्रकाशकों एवं विक्रेताओं के सहयोग से अटल जी की पुस्तकों पर आधारित प्रदर्शनी ।
- हार नहीं मानूँगा– छात्र–छात्राओं द्वारा अटल जी की कविताओं का गान
- जैन विद्या शोध संस्थान द्वारा 'राष्ट्रवाद एवं राष्ट्रधर्म' विषयक वेबिनार का आयोजन
- समर्पण– संगीत नाटक अकादमी, कथक केन्द्र के बच्चों द्वारा अटल जी के गीतों पर आधारित कथक नाट्य प्रस्तुति ।
- 'मेरी यात्रा– अटल यात्रा' नाट्य प्रस्तुति भारतेन्दु नाट्य अकादमी द्वारा ।

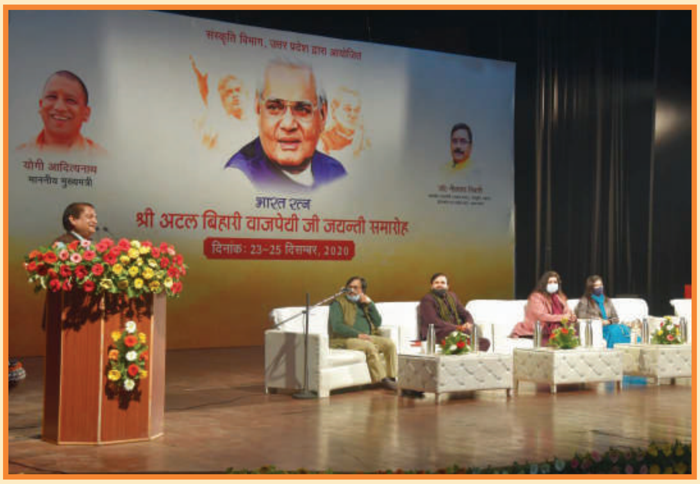

बाल्मीकि जयन्ती

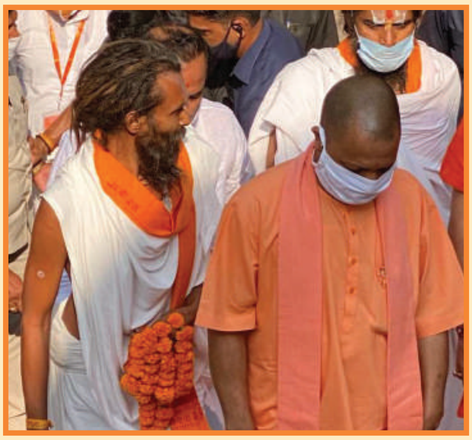

लालापुर चित्रकूट में बाल्मीकि जयन्ती का आयोजन

बाल्मीकि जयन्ती

दिनांक 31 अक्टूबर, 2020

आदि कवि महर्षि बाल्मीकि जी की जयन्ती के अवसर पर दिनांक 31 अक्टूबर, 2021 को प्रदेश के समस्त जनपदों में भव्य रूप से आयोजन किये गये। इस अवसर पर बाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों में व्यापक प्रचार–प्रसार, जनमानस को इससे जोड़ने के लिए महर्षि बाल्मीकि से सम्बन्धित स्थलों/मंदिरों पर दीप प्रज्जवलन/दीपदान के साथ अनवरत 8, 12 तथा 24 घंटे का बाल्मीकि रामायण पाठ के कार्यक्रम सम्पूर्ण प्रदेश में आयोजित किये गये। उपरोक्त कार्यक्रमों का शुभारम्भ चित्रकूट के लालापुर धाम स्थित बाल्मीकि धाम से मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा किया गया था। इस आयोजन में प्रदेश के 75 जनपदों के जिलाधिकारियों द्वारा विविध आयोजन कराये गये।

लखनऊ के मन्दिरों में वाल्मीकि रामायण का पाठ

मिशन शक्ति

महिलाओं एवं बालिकाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं स्वावलम्बन के लिए प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विशेष अभियान के अन्तर्गत विभाग द्वारा सम्पूर्ण प्रदेश में 13 शक्ति पीठों यथा–माँ पाटेश्वरी मंदिर, देवी पाटन तुलसीपुर, बलरामपुर, माँ काली माता मंदिर, झांसी, माँ कात्यायनी शक्ति पीठ मंदिर, वृन्दावन, मथुरा, अलोपी देवी, शक्ति पीठ मंदिर प्रयागराज, माँ विन्ध्यवासनी शक्तिपीठ मंदिर, विन्ध्याचल मिर्जापुर, ललिता देवी मंदिर नेमिषारण्य धाम, सीतापुर, गोरखनाथ मंदिर, गोरखपुर, शीतला चौकिया धाम, जौनपुर, देवबन्द माँ त्रिपुर बाला सुन्दरी शक्तिपीठ, सहारनपुर, कड़ा धाम, फतेहपुर, दुर्गा मंदिर, दुर्गा कुण्ड, वाराणसी, खत्री पहाड़ विन्ध्यवासनी मंदिर, बांदा, बड़ी देवकाली मंदिर, अयोध्या में 165 महिला कलाकारों सहित कुल 210 लोक कलाकारों द्वारा देवी गीतों पर आधारित देवी गायन एवं लोकनृत्य की प्रस्तुतियां की गयी।

दुर्गा मन्दिर दुर्गाकुण्ड, वाराणसी देवीगीत

गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर

मिशन शक्ति

- प्रदेश सरकार द्वारा महिलाओं के सशक्तिकरण हेतु वर्तमान में गतिमान योजनाओं का नुक्कड़ नाटक के माध्यम से जनजागरूकता अभियान चलाया गया।
- नवरात्रि के अवसर पर ऑनलाइन कन्या पूजन की प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें 125 कन्याओं द्वारा प्रतिभाग किया गया।
- महिलाओं की सुरक्षा, स्वावलम्बन एवं सशक्तिकरण विषयक कानूनों से सम्बंधित सरंक्षित अभिलेखों पर आधारित प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया।

अन्तर्राष्ट्रीय बुद्धिस्ट कॉन्क्लेव लखनऊ

दिनांक 20 से 22 मार्च, 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय बुद्धिस्ट कॉन्क्लेव का आयोजन लखनऊ में किया गया। उपरोक्त अवसर पर पर एक पत्रिका का प्रकाशन कराया गया। साथ ही पालि भाषा से सम्बन्धित विभिन्न पुस्तिकाओं का प्रकाशन भी कराया गया।

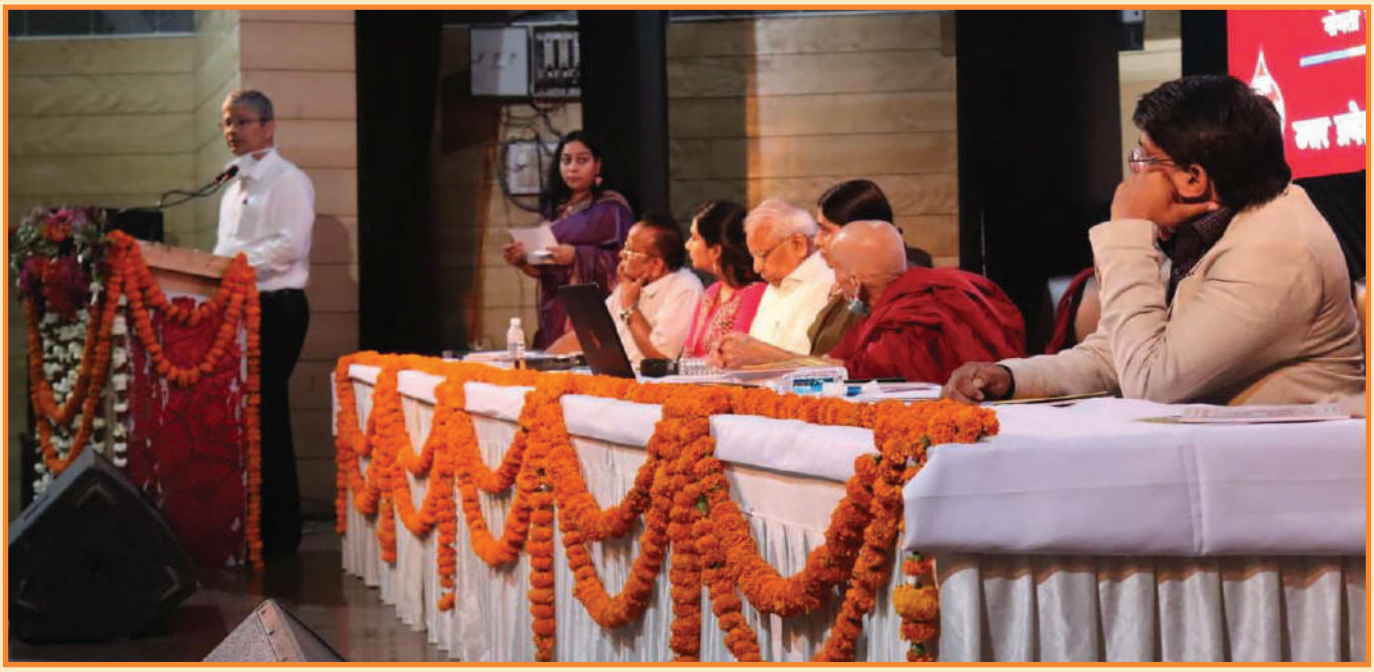

अन्तर्राष्ट्रीय बुद्धिस्ट कॉन्क्लेव
लखनऊ

दिनांक 20 से 22 मार्च, 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय बुद्धिस्ट कॉन्क्लेव का आयोजन लखनऊ में किया गया। उपरोक्त अवसर पर एक पत्रिका का प्रकाशन कराया गया। साथ ही पालि भाषा से सम्बन्धित विभिन्न पुस्तिकाओं का प्रकाशन भी कराया गया।

शान्ति और सदभाव पर भगवान बुद्ध का वैश्विक संदेश पर आयोजित कॉन्क्लेव के आठ सत्रों की निम्न महानुभाओं द्वारा अध्यक्षता की गई–

1. प्रो0 रामनंदन सिंह, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ
2. भदंत विनय रक्षित महाथेरो, नागपुर, महाराष्ट्र
3. प्रो0 राम नक्षत्र प्रसाद, एन0एन0एम0, नालन्दा, बिहार
4. आदरणीय पा मोक्का, बैगलौर, कर्नाटक
5. प्रो0 प्रद्युम्न शाह सिंह, के0वी0पी0, वाराणसी, उ0प्र0
6. प्रो0 विजय कुमार जैन, केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय, लखनऊ
7. डॉ0 पूजा व्यास, आई0सी0पी0आर0, लखनऊ, उ0प्र0

अवध महोत्सव, लखनऊ

लखनऊ में मार्च, 2021 में प्रथम बार आयोजित होने वाले वाजिद अली शाह अवध महोत्सव में अवध की संस्कृति के विविध रंगो को बखूबी प्रदर्शित किया गया । उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी के परिसर में आयोजित होने वाले इस तीन दिवसीय उत्सव में देश एवं प्रदेश के विभिन्न कलाकारों द्वारा अवध की संस्कृति को बखूबी मंच पर प्रस्तुत किया गया है।

अवध महोत्सव के अन्तर्गत संस्कृति, व्यंजन एवं शिल्प

आजादी अमृत महोत्सव
एवं
चौरी–चौरा शताब्दी समारोह

वर्तमान में चौरी चौरा के 100 वर्ष पूर्ण होने पर संस्कृति विभाग द्वारा शताब्दी वर्ष महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है जिसका शुभारम्भ दिनांक 04 फरवरी, 2021 को गोरखपुर के चौरी–चौरा स्मारक से मा0प्रधानमंत्री जी द्वारा वचुर्अल माध्यम से किया गया। उक्त आयोजन पूरे वर्षभर मनाये जा रहे है।

- भारत वर्ष की आजादी के 75वें वर्ष के अवसर पर भारत सरकार द्वारा आजादी अमृत महोत्सव के रूप में मनाया जा रहा है। उक्त महोत्सव का शुभारम्भ मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा वचुर्अल माध्यम से दिनांक 12 मार्च, 2021 को गुजराज के साबरमती आश्रम से किया गया। जिसे प्रदेश के प्रमुख जनपदों यथा–लखनऊ, बलिया, मेरठ, झांसी से लिंक करते हुए विभिन्न आयोजन करते हुए जनसभागिता सुनिश्चित की गयी। इस महोत्सव के अन्तर्गत समस्त विभागों की भागीदारी सुनिश्चित करते हुए विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से 15 अगस्त, 2023 तक मनाया जायेगा।

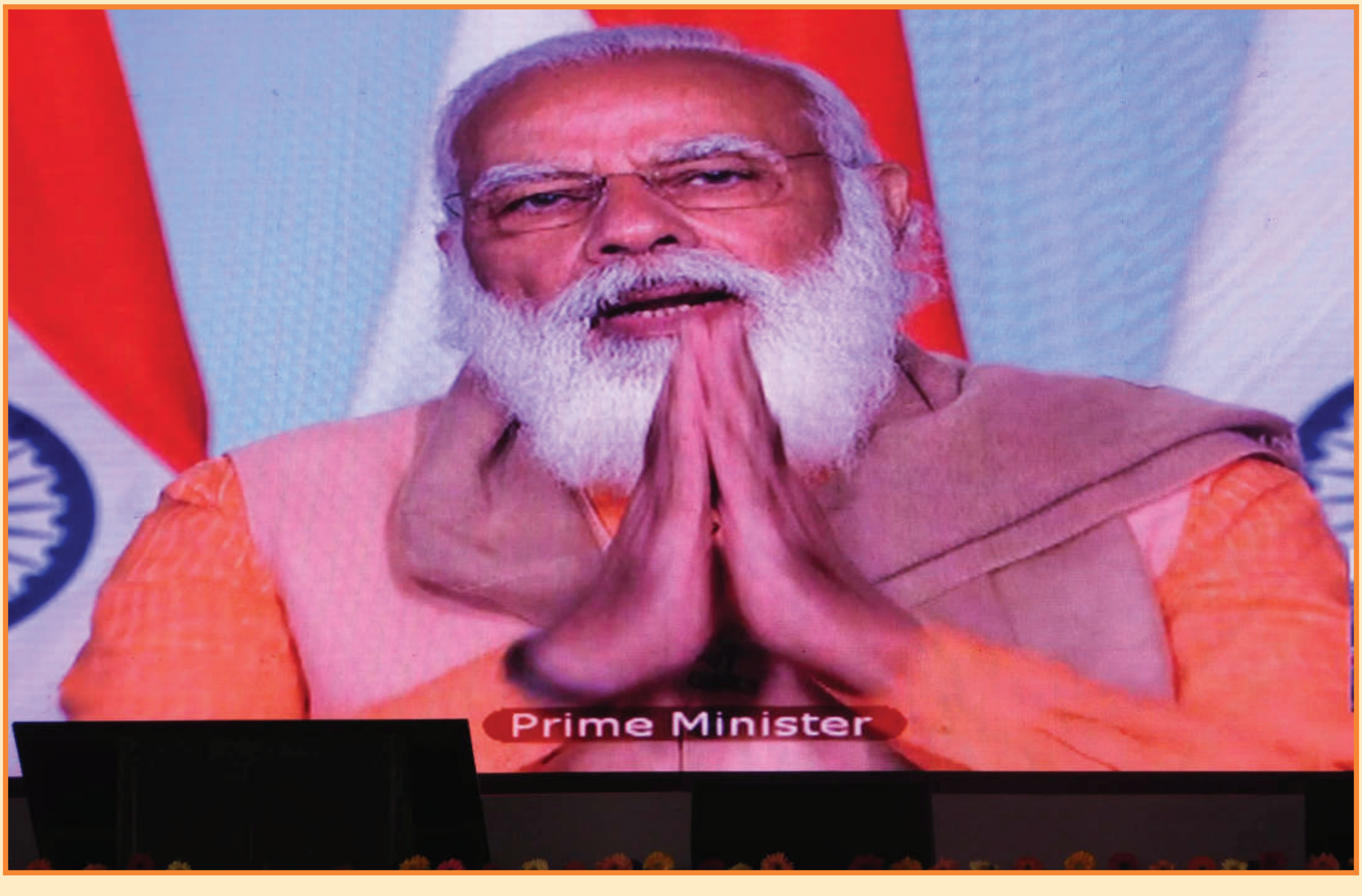

चौरी चौरा 100 महोत्सव

काकोरी ट्रेन एक्शन वर्षगांठ

आज़ादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी–चौरा शताब्दी समारोह की श्रृंखला में काकोरी ट्रेन एक्शन वर्षगांठ के अवसर पर काकोरी, लखनऊ में वीर शहीदों को नमन् कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में स्कूली बच्चों द्वारा तिरंगा यात्रा, अभिलेख एवं चित्र प्रदर्शनी, सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं शहीदों व स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के परिजनों का सम्मानित किया गया।

माननीय राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा प्रदर्शनी का अवलोकन

माननीय राज्यपाल एवं माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा चित्रकला शिविर का अवलोकन

आज़ादी का अमृत महोत्सव तिरंगा यात्रा

महाराजा सुहेलदेव जयन्ती

- महाराजा सुहेलदेव जी के शिलान्यास कार्यक्रम में ग्यारहवीं शताब्दी के प्रतापी शासक एवं पराक्रमी योद्धा महाराजा सुहेलदेव की जयन्ती के अवसर पर चित्तौरा बहराईच में महाराजा सुहेलदेव स्मारक एवं चित्तौरा झील की विकास योजना का शिलान्यास।
- उक्त स्मारक में महाराजा सुहेलदेव की अश्वारोही मुद्रा में 40 फीट की कास्य प्रतिमा की स्थापना की प्रक्रिया प्रचलन में है।

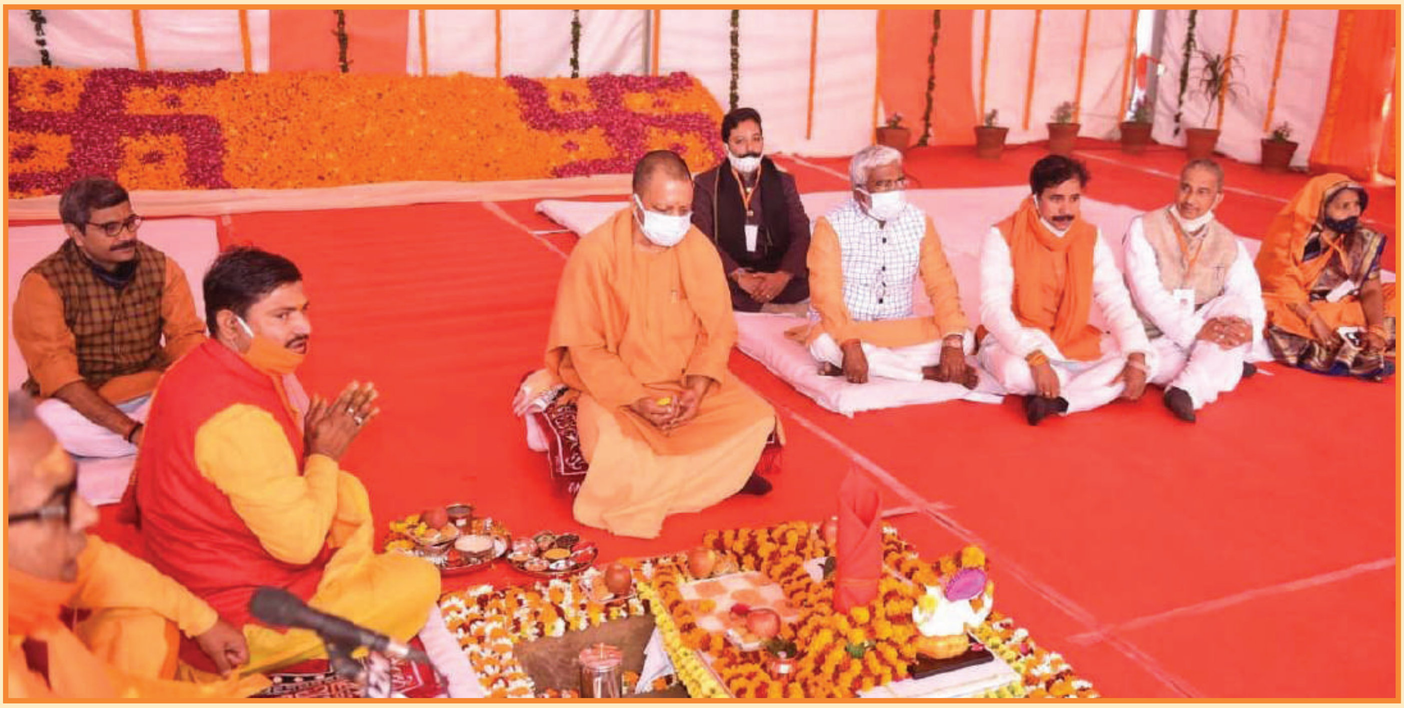

कुम्भ पूर्व वैष्णव बैठक–2021
वृन्दावन, मथुरा

जनपद मथुरा के वृन्दावन में आयोजित कुम्भ पूर्व वैष्णव बैठक–2021 में विभाग द्वारा लगभग 1000 कलाकारों के माध्यम से दिनांक 16 फरवरी, 2021 से 24 मार्च, 2021 तक उ0प्र0 की कला एवं संस्कृति का प्रदर्शन करते हुए विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां की गयी।

- इस अवसर पर विभाग के निदेशालय, संस्थाओ द्वारा विविध विषयों पर दिनांक 16 फरवरी, 2021 से वृन्दावन में सांस्कृतिक, कला एवं अभिलेख प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया।

संगीत नाटक अकादमी सम्मान समारोह–2020

उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी द्वारा वर्ष 1970 से अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान करने के लिए विशिष्ट कलाकारों को अकादमी सम्मान प्रदान किया जाता है। यह सम्मान उत्तर प्रदेश में जन्में ऐसे कला साधकों को दिया जाता है जिन्होंने उत्तर प्रदेश या उत्तर प्रदेश के बाहर कम से कम 10 वर्ष तक अपनी विधा के संवर्धन में लगाया हो, अथवा उत्तर प्रदेश को अपनी कर्मभूमि बनाकर कम से कम 10 वर्ष तक अपनी विधा में उल्लेखनीय कार्य किया हो। यह अकादमी का सौभाग्य है कि वर्ष 2020 में अपनी कला विधाओं में पारंगत एवं उन विधाओं को निरंतर आगे बढ़ाने वाले 123 कलाकारों को अकादमी सम्मान से एवं 5 कलाकारों को अकादमी के सर्वोच्च सम्मान ''रत्न सदस्य'' अर्थात 128 कलाकारों को एक साथ सम्मानित किया गया। यह संगीत विद्धजनों और कलाकारों का अनूठा संगम है। सम्मान कलाकार को मान्यता देता है तो अन्य कलाकारों और नयी पीढ़ी के लिये प्रेरणास्रोत भी बनता है।

रामायण कॉन्क्लेव

(29 अगस्त–01 नवम्बर, 2021)

उत्सवों का उद्घोष भारतीय संस्कृति और परंपरा में रचा–बसा है। उत्सवधर्मिता हमें ऊर्जा देती है और जीवनमूल्य भी सिखाती है। कहना गलत न होगा कि भारतीयता की जीवन्तता उसके उत्सवों में ही निहित है। उत्तर प्रदेश उत्सवों के लिए एक बार फिर तैयार है। एक पूरी उत्सव श्रृंखला, विभिन्न नगरों से गुजरती, उन्हें अनुप्राणित करती हुई और उत्सवों के केन्द्र में होंगे प्रभु श्रीराम। श्रीराम ही है जिनके वनवास से लौटने पर हमने अपना सबसे बड़ा उत्सव शुरू किया था। श्रीराम फिर लौट रहे हैं, अपनी जन्मभूमि में लौट रहे हैं। हम फिर संस्कृति का जयघोष कर रहे हैं। उत्तर प्रदेश भव्य उत्सव मना रहा है। 56 दिनों तक जनमानस को स्पंदित करने के लिए यह रामायण कॉन्क्लेव है जिसे साहित्य, कला, संगीत एवं अन्य प्रदर्श माध्यमों का एक ऐसा रंगबिरंगा उपवन बनाया गया है जो प्रदेश की कला–संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन के साथ सामाजिक समरसता का भी संवाहक बनेगा। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा, माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संरक्षण तथा माननीय राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार), संस्कृति, पर्यटन, प्रोटोकॉल एवं धर्मार्थ कार्य विभाग, उ0प्र0, डॉ0 नीलकंठ तिवारी के मार्गदर्शन में इस भव्य उत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

रामराज्य हमारे समाज और राष्ट्र में आदर्श शासन के मानक के रूप में हमेशा से रखा जाता है। गोस्वामी तुलसीदास ने रामराज्य की चर्चा में लिखा है–'सब नर करहिं परस्पर प्रीती, चलहिं स्वधर्म निरत श्रुति नीती'। महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता के साथ रामराज्य की परिकल्पना की थी। लोकतंत्र के मूल में भी यही भावना रही है। भारतीय संस्कृति में वर्णित शासन का यह गौरवमय आदर्श हम सबके संज्ञान में रहे, यह उत्सव रामकथा के मूल और प्रेरक तत्वों को रेखांकित करने और उसकी ओर ध्यान आकृष्ट करने का एक प्रयास है। अयोध्या से आरंभ होकर गोरखपुर, बलिया, वाराणसी , विंध्याचल, चित्रकूट, श्रृंगवेरपुर, बिठूर, ललितपुर, गढ़मुक्तेश्वर, बिजनौर, गाजियाबाद, बरेली, सहारनपुर एवं मथुरा में वैचारिक संवाद, संगीत की आकर्षक विधाओं एवं शैलियों, रामलीला एवं नाट्य प्रस्तुतियों, कला प्रदर्शनों एवं प्रतियोगिताओं में रामकथा के विविध प्रसंगों को रूपायित करते हुए यह भव्य सांस्कृतिक यात्रा पुनः अयोध्या में आकर विराम लेगी। एक अल्प विराम जिससे रामराज्य की परिकल्पना में जल्द ही नई ऊर्जा और उत्साह के साथ जुटा जा सके।

आयोजन का कैलेन्डर

क्रमांक	आयोजन की तिथियाँ	कार्यक्रम स्थल
1	29–30 अगस्त, 2021	अयोध्या
2	04–05 सितम्बर, 2021	गोरखपुर
3	08 सितम्बर, 2021	बलिया
4	15–16 सितम्बर, 2021	विन्ध्याचल
5	19–20 सितम्बर, 2021	चित्रकूट
6	23–24 सितम्बर, 2021	श्रृंगवेरपुर
7	26–27 सितम्बर, 2021	बिठूर
8	30 सितम्बर, 2021	ललितपुर
9	03 अक्टूबर, 2021	गाज़ियाबाद
10	06–07 अक्टूबर, 2021	मथुरा
11	10 अक्टूबर, 2021	गढ़मुक्तेश्वर
12	13 अक्टूबर, 2021	सहारनपुर
13	17 अक्टूबर, 2021	बिजनौर
14	21 अक्टूबर, 2021	बरेली
15	23–24 अक्टूबर, 2021	लखनऊ
16	01 नवम्बर, 2021	अयोध्या

गोरखपुर में रामायण कॉन्क्लेव

बलिया में रामायण कॉन्क्लेव

विन्ध्याचल में रामायण कॉन्क्लेव

चित्रकूट में रामायण कॉन्क्लेव

श्रृंगवेरपुर में रामायण कॉन्क्लेव

बिठूर में रामायण कॉन्क्लेव

महापुरुषों की मूर्तियों का निर्माण

देश की महान विभूतियों की स्मृतियों को बनाये रखने तथा उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व से जनसामान्य को प्रेरित कराने के उद्देश्य से वर्तमान सरकार द्वारा महापुरूषों की मूर्तियों के निर्माण पर विशेष बल दिया गया है। इस सम्बन्ध में विवरण निम्नवत् है :–

- पं0 दीन दयाल उपाध्याय जी की भव्य मूर्ति चन्दौली में स्थापित की गयी, जिसका अनावरण मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया तथा इस मूर्ति की स्थापना के लिए प्रदेश सरकार के प्रति आभार भी व्यक्त किया गया।
- राजभवन में स्वामी विवेकानन्द जी की, लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल एवं भगवान श्री धनवंतरि जी की प्रतिमा स्थापित की गयी।
- लोक भवन में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की भव्य प्रतिमा स्थापित की गयी जिसका अनावरण मा0 प्रधानमंत्री जी द्वारा किया गया।
- योजना भवन, लखनऊ में श्रद्धेय हेमवती नन्दन बहुगुणा की मूर्ति स्थापित की गयी।
- कैप्टन मनोज पाण्डेय सैनिक स्कूल, लखनऊ में डॉ0 सम्पूर्णानन्द जी की प्रतिमा स्थापित की जा चुकी है जिसका अनावरण भारत के मा0 राष्ट्रपति जी द्वारा किया गया है।

स्व. हेमवती नन्दन बहुगुणा जी की प्रतिमा का अनावरण

स्व. डॉ. सम्पूर्णानन्द जी की प्रतिमा का अनावरण

महापुरुषों की मूर्तियों का निर्माण

- भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ में भारतेन्दु हरिशचन्द्र की प्रतिमा स्थापित की जा चुकी है जिसका अनावरण मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया है।
- महराजगंज में श्रद्धेय महन्त अवैद्यनाथ जी की मूर्ति का अनावरण कार्यक्रम सम्पन्न हो चुका है।
- श्रद्धेय महन्त दिग्विजयनाथ, अमर शहीद गुलाब सिंह लोधी एवं शहीद बंधु सिंह जी की मूर्तियां अतिशीघ्र स्थापित की जायेंगी।
- डॉ0 बाबा साहब भीमराव आम्बेडकर, काकोरी ट्रेन एक्शन के नायक क्रमशः शहीद रोशन सिंह, शहीद रामप्रसाद बिस्मिल, शहीद अशफाक उल्ला खां, शहीद राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी, शहीद चन्द्रशेखर आजाद, राणा बेनी माधव सिंह, पं0 सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला', झलकारी बाई, राजा राव राम बख्श सिंह, ऋषि परशुराम जी, संत रविदास आदि अनेक महापुरूषो की मूर्तियों का निर्माण कार्य प्रचलन में है। इसके अतिरिक्त विभिन्न शहीद ग्रामों में आठ शहीद सैनिकों की मूर्तियों का निर्माण कार्य भी कराया जा रहा है।

लोक वाद्ययंत्र क्रय योजना

उत्तर प्रदेश की संस्कृति के संरक्षण हेतु लोक कलाओ के सम्बन्ध में महती भूमिका अदा करने वाले प्रदेश के कलाकारों को वेशभूषा एवं वाद्ययंत्रों के क्रय हेतु योजना का क्रियान्वयन

कल्चरल क्लब योजना

संस्कृति विभाग द्वारा संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु प्रदेश में शैक्षणिक संस्थानों के माध्यम से कल्चरल क्लब की योजना संचालित की जा रही है। इस योजना का उद्देश्य सम्बन्धित संस्थानों में हेरिटेज गैलेरी एवं कल्चरल एक्टिविटीज़ के माध्यम से युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति से परिचित कराना है। योजना के प्रथम चरण में लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ एवं डॉ0 सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी में हेरिटेज गैलेरी की स्थापना कराई जा रही है।

वृद्ध एवं विपन्न कलाकार पेंशन योजना

वृद्ध एवं विपन्न कलाकार पेंशन योजना वर्ष 1985 से संचालित है। इस योजना के अन्तर्गत 321 स्वीकृत कलाकारों में से जीवित प्रमाण पत्र प्राप्ति के आधार पर हर वर्ष दो छमाही किश्तों में रू0 2000/– प्रतिमाह की दर से पेंशन का भुगतान किया जाता है।

विगत वर्षों में भुगतान की गयी पेंशन की स्थिति :

वित्तीय वर्ष 2017–18	वित्तीय वर्ष 2018–19	वित्तीय वर्ष 2019–20
255 कलाकारों को पेंशन का भुगतान किया गया	246 कलाकारों को पेंशन का भुगतान किया गया	337 कलाकारों को पेंशन का भुगतान किया गया
कुल व्यय– रू0 59,28,000/–	कुल व्यय– रू0 60,24,000/–	कुल व्यय– रू0 83,06,933/–

वित्तीय वर्ष 2020–21	वित्तीय वर्ष 2021–22
319 कलाकारों को पेंशन का भुगतान किया गया	240 कलाकारों को जीवित प्रमाण–पत्र प्राप्ति के आधार पेंशन की प्रथम किश्त का भुगतान किया जा रहा है।
कुल व्यय– रू0 77,55,161/–	प्रथम किश्त का अनुमानित व्यय– रू0 31,68,000/–

वृद्ध एवं विपन्न कलाकार पेंशन हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2021–22 में रू0 150.00 लाख बजट स्वीकृत हुआ है।

अभिलेखीकरण

उत्तर प्रदेश सांस्कृतिक दृष्टिकोण से अत्यन्त समृद्ध प्रदेश है यहाँ अवध, ब्रज, पूर्वांचल, पश्चिमांचल, बुन्देलखण्ड आदि प्रथक–प्रथक सांस्कृतिक क्षेत्रों की अत्यन्त सुरुचि पूर्ण विधाएं एवं परम्पराएं विद्यमान हैं, लोक संस्कृति की इन्ही विधाओं एवं परम्पराओं को संरक्षित करने के उद्देश्य से बैक पैक स्टूडियों के माध्यम से अभिलेखीकरण की परियोजना गतिमान है। उक्त परियोजना के प्रथम चरण के अन्तर्गत ब्रज, अवध एवं पूर्वांचल के 25 पारम्परिक लोक कलाकार दलों के प्रदर्शन पर आधारित डॉक्यूमेन्ट्री फिल्म्स तैयार की गई है। इनमें प्रमुख रुप से ब्रज क्षेत्र का हवेली संगीत, फाग गायन, लांगुरिया गायन, अवध क्षेत्र के कजरी और चैती, सोहर, ठुमरी, फरुवाही एवं पूर्वांचल की बिरहा आदि लोक कलाएं सम्मिलित हैं। उक्त परियोजना का अगला चरण क्रियान्वित किया जा रहा है जिसमें शेष सांस्कृतिक क्षेत्रों एवं लोक विधाओं को सम्मिलित किया जायेगा।

अभिलेखीकरण

प्रथम चरण में अभिलेखीकृत किये गये प्रमुख कलाकार एवं विधाएं निम्न हैं–
सुश्री मोनिका तोमर (ब्रज लोक गायिका– रसिया)
श्री ज्वाला प्रसाद (ब्रज लोक गायक– गोवर्धन पूजला, हिण्डोला गीत)
श्री हरि बाबू कौशिक (ब्रज लोक गायक– हवेली संगीत)
श्री दामोदर शर्मा (ब्रज लोक गायक– रसिया)
सुश्री कमला श्रीवास्तव (अवधी लोक गायिका– देवी गीत)
सुश्री कामायनी (अवधी लोक गायक– फाग)
श्री एस0पी0 चौहान (अवधी लोक गायक– भजन)
सुश्री मालविका हरिओम (अवधी लोक गायिका– नकटा)
श्री शीतला प्रसाद (अवधी लोक कलाकार– फरुवाही)
श्री अशोक कुमार (भोजपुरी लोक गायक– चैती)
श्री जीवन कुमार (लोक कलाकार– धोबिया)
सुश्री उर्मिला श्रीवास्तव (लोक गायिका– कजरी)
श्री मन्ना लाल (लोक गायक– बिरहा)

डाक्यूमेंट्री फिल्म निर्माण

- संस्कृति विभाग द्वारा उ0प्र0 की लोक कलाओं एवं कलाकारों सम्बन्धी योजना पर उत्तर प्रदेश के विविध अंचलों यथा अवध बुन्देलखण्ड, भोजपुरी, पूर्वांचल, तराई, जनजाति एवं उत्तर प्रदेश की सम्पूर्ण सांस्कृतिक विरासत पर हिन्दी व अंग्रेजी वर्जन में 30–30 मिनट की 15 डाक्यूमेंट्री फिल्मों का निर्माण कराया गया।
- दिव्य कुम्भ भव्य कुम्भ–2019 पर दो डाक्यूमेंट्री फिल्म्स एवं दो टीज़र फिल्म्स का निर्माण कराया गया।
- अभिलेखीकरण योजना के अन्तर्गत विभिन्न विधाओं की लोक कलाकारों की प्रस्तुति की 25 डाक्यूमेंट्री फिल्म्स तैयार की गई।
- चौरी–चौरा शताब्दी समारोह पर लघु फिल्म तैयार की गई।
- काकोरी ट्रेन एक्शन वर्षगांठ पर लघु फिल्म तैयार की गई।
- भारत रत्न डॉ0 भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र पर लघु फिल्म तैयार की गई।
- रामायण कॉन्क्लेव पर लघु फिल्म तैयार की गई।

निर्माण परियोजनाएँ

वर्तमान सरकार द्वारा जनसामान्य की सांस्कृतिक अभिरूचि को समुन्नत करने हेतु प्रदेश के विभिन्न स्थानों में प्रेक्षागृह, सांस्कृतिक संकुल, स्मृति संकुल एवं सग्रहालयों आदि के निर्माण/आधुनिकीकरण/ सुदृढ़ीकरण के कार्य पर विशेष बल दिया जा रहा है।

मानानीय राष्ट्रपति महोदय द्वारा
डॉ0 भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र का शिलान्यास

वर्तमान उत्तर प्रदेश सरकार के 4.5 वर्ष के कार्यकाल में नवीन परियोजनाओं का विवरण निम्नवत् है :–

- गोरखपुर में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ अत्याधुनिक प्रेक्षागृह का निर्माण।
- रामगढ़ ताल परियोजना, गोरखपुर स्थित मुक्ताकाशी मंच का अनुरक्षण।
- जनपद अयोध्या में सांस्कृतिक मंच की स्थापना।
- पं0 सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला जी की जन्म स्थली गढ़कोला उन्नाव में विशाल स्मृति भवन, पुस्तकालय एवं अन्य संरचना।
- पं0 दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय परिसर में गुरू गोरक्षनाथ शोध पीठ का निर्माण।
- तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या में आधुनिकीकरण का कार्य।
- उ0प0 संगीत नाटक अकादमी लखनऊ के सुदृढ़ीकरण का कार्य।
- प्रदेश की रामलीला स्थल की चाहरदीवारी के सुदृढ़ीकरण योजनान्तर्गत गोरखपुर में बर्डघाट स्थित रामलीला तथा शाहजहाँपुर में खिरनी बाग रामलीला मैदान का सौन्दर्यीकरण/सुदृढ़ीकरण निर्माण कार्य।

- संत कबीर अकादमी भवन की स्थापना जनपद संत कबीर नगर।
- वृन्दावन शोध संस्थान, वृन्दावन, मथुरा के सुदृढ़ीकरण एवं आधुनिकीकरण का कार्य।
- राय उमानाथ बली प्रेक्षागृह, कैसरबाग, लखनऊ के जीर्णोद्धार एवं आधुनिकीकरण का कार्य।
- थारू जनजाति से सम्बन्धित संग्रहालय इमिलिया कोडर जनपद बलरामपुर का निर्माण कार्य।
- राज्य संग्रहालय, लखनऊ के अंत: एवं वाह्य परिसर की मरम्मत का कार्य।
- भारत रत्न अटल बिहारी बाजपेयी जी की स्मृति में बटेश्वर, आगरा में स्मृति संकुल का निर्माण।
- राजकीय स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय, मेरठ में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम पर आधारित वीथिकाओं का निर्माण।

संत कबीर अकादमी, मगहर

भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी सांस्कृतिक संकुल

- राज्य संग्रहालय, लखनऊ परिसर में प्रकृति विज्ञान संग्रहालय हेतु भवन का निर्माण कार्य।
- ग्राम सालेहनगर परगना व तहसील मलिहाबाद जनपद लखनऊ स्थित भूमि देव स्थान घटघटा बाबा पर प्रेक्षागृह का निर्माण कार्य।
- जनपद लखनऊ में भारत रत्न डॉ0 भीमराव अम्बेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र का निर्माण कार्य प्रस्तावित है जिसका शिलान्यास मा0 राष्ट्रपति महोदय द्वारा किया जा चुका है।
- जनपद शाहजहाँपुर में स्वतंत्रता संग्राम संग्रहालय की वीथिकाओं का निर्माण।

राज्य संग्रहालय, लखनऊ

भारत रत्न डॉ0 भीमराव आंबेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक संकुल

उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार

अभिलेख प्रदर्शनी

विगत 4.5 वर्षों में निम्नवत् अभिलेख प्रदर्शनियों का आयोजन किया गयाः

- दिनांक 17 से 19 मार्च, 2017 को संस्कृति उत्सव कार्यक्रम में "राम कथा का चित्रण" विषयक।
- दिनांक 14 अप्रैल, 2017 को लखनऊ एवं प्रयागराज में 'डॉ0 अम्बेडकर एवं स्वतंत्रता अन्दोलन' विषयक।
- मेरठ में क्रान्ति दिवस (दिनांक 10 मई, 2017) पर पं0 दीन दयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह में प्रथम स्वतंत्रता संग्राम विषयक।
- दिनांक 01 अगस्त, 2017 को वाराणसी में "मुंशी प्रेमचन्द्र लम्ही महोत्सव" के अवसर पर ।
- दिनांक 14–15 अगस्त, 2017 को लखनऊ में पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह के अन्तर्गत 'उत्तर प्रदेश में स्वाधीनता आन्दोलन' विषयक
- दिनांक 07 से 09 सितम्बर, 2017 को कानपुर में पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह के अन्तर्गत "आजादी की पहली चिंगारी" विषयक।
- दिनांक 25 से 27 सितम्बर, 2017 को गोरखपुर में पं0 दीनदयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह के अन्तर्गत "आजादी की पहली चिंगारी" विषयक
- दिनांक 25 से 30 नवम्बर, 2017 को कुरूक्षेत्र हरियाणा में 'अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव' में पाण्डुलिपियों पर आधारित 'गीता दर्शन' विषयक।
- दिनांक 16.12.2017 को आई0ए0एस0 वीक के अन्तर्गत सी0एस0आई0 राजभवन में
- दिनांक 19.12.2017 को लखनऊ में 'काकोरी के शहीद' विषय।

- दिनांक 24 से 26 जनवरी, 2018 तक ''उत्तर प्रदेश दिवस का प्रथम समारोह''में उत्तर प्रदेश की संरचना, दुर्लभ ग्रन्थों में रामकथा का चित्रण, पाण्डुलिपियों पर आधारित गीता–दर्शन विषयक।
- दिनांक 14 अप्रैल, 2018 को डॉ0 भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर लखनऊ एवं प्रयागराज में।
- दिनांक 10 व 11 मई, 2018 को 69वें स्थापना दिवस के अवसर पर लखनऊ स्थित कार्यालय में प्रदर्शनी, व्याख्यान व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- दिनांक 09 अगस्त, 2018 को राजकीय महिला महाविद्यालय, डी0एल0डब्लू0, वाराणसी में अभिलेख प्रदर्शनी एवं व्याख्यान।
- दिनांक 09 अगस्त, 2018 से 20 अगस्त, 2018 तक स्वतंत्रता आन्दोलन में उत्तर प्रदेश की भूमिका विषयक।
- दिनांक 02 अक्टूबर, 2018 को लाल बहादुर शास्त्री भवन स्मृति संग्रहालय वाराणसी में अभिलेख प्रदर्शनी।
- दिनांक 19 दिसम्बर, 2018 को आयोजित काकोरी के शहीद विषयक।
- कुम्भ मेला प्रयागराज–2019 में कला कुम्भ में अभिलेखों में एवं कुम्भ एवं पाण्डुलिपियों पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी।
- दिनांक 20 से 22 सितम्बर, 2019 तक ''अन्तर्राष्ट्रीय रामायण महोत्सव–2019'' के अवसर पर 'उर्दू एवं फारसी ग्रंथों में रामकथा का चित्रण' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी।
- इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज दिनांक 23 सितम्बर, 2019''1857 के प्रथम संगठित उपनिवेशवाद विरोधी आन्दोलन एवं राष्ट्रीय आन्दोलन'' विषयक।

- दिनांक 22 नवम्बर, 2019 को 'विश्व धरोहर सप्ताह' दुर्लभ पाण्डुलिपियों की प्रदर्शनी
- दिनांक 19 दिसम्बर, 2019 को आयोजित 'काकोरी के शहीद' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी
- दिनांक 02 अक्टूबर, 2020 को गांधी जयन्ती के उपलक्ष्य में गांधी जी से सम्बन्धित चित्र एवं अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन।
- 02 अक्टूबर, 2020 'गांधी जी का स्वतंत्रता आन्दोलन और प्रयागराज' विषयक दुर्लभ अभिलेख एवं पाण्डुलिपि प्रदर्शनी का इलाहाबाद विश्वविद्यालय, प्रयागराज में आयोजन।
- दिनांक 02 अक्टूबर, 2020 को 'स्वतंत्रता संग्राम एवं गांधी जी के जीवन पर आधारित' 15 दिवसीय अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी द्वारा 02 अक्टूबर, 2020 को गांधी जी की जयन्ती के अवसर पर अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- दिनांक 17 से 24 अक्टूबर, 2020 तक ''नारी उत्थान'' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन।
- दिनांक 31 अक्टूबर, 2020 को 'एकता दिवस' के अवसर पर राज भवन, लखनऊ में सरदार बल्लभ भाई पटेल जी से सम्बन्धित चित्र एवं अभिलेख प्रदर्शनी।
- दिनांक 31 अक्टूबर, 2020 को 'लौह पुरूष : व्यक्तित्व एवं कृतित्व' विषयक दुर्लभ अभिलेख एवं चित्र प्रदर्शनी का प्रयागराज आयोजन।
- दिनांक 31 अक्टूबर, 2020 को वाराणसी में सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती के अवसर पर अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।

- राजकीय पाण्डुलिपि पुस्तकालय, प्रयागराज द्वारा राज भवन, लखनऊ में भगवान धनवंतरि जयन्ती के अवसर पर प्रदर्शनी।
- क्षेत्रीय अभिलेखागार, वाराणसी द्वारा विश्व धरोहर सप्ताह (18 से 25 नवम्बर, 2020) के उपलक्ष्य में अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन किया गया।
- दिनांक 25 दिसम्बर, 2020 को पूर्व प्रधानमंत्री, स्व0 अटल बिहारी वाजपेयी जी की 97वीं जयन्ती समारोह के अवसर पर अभिलेख प्रदर्शनी का आयोजन।
- दिनांक 24 से 26 जनवरी, 2021 तक उत्तर प्रदेश दिवस पर लखनऊ एवं नोएडा में अभिलेख प्रदर्शनी।
- चौरी–चौरा शताब्दी समारोह दिनांक 04 फरवरी, 2021 के अवसर पर गोरखपुर में अभिलेख प्रदर्शनी।
- दिनांक 06 से 07 मार्च, 2021 में ''चौरी–चौरा की घटना एवं स्वतंत्रता आन्दोलन'' विषयक आगरा में अभिलेख प्रदर्शनी।
- लखनऊ एवं प्रयागराज में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस दिनांक 08 मार्च, 2021 पर 'नारी उत्थान' विषयक।
- दिनांक 12 मार्च, 2021 को 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अवसर पर उत्तर प्रदेश राजकीय अभिलेखागार, लखनऊ द्वारा अभिलेख प्रदर्शनी।
- दिनांक 19 मार्च, 2021 को प्रदेश सरकार के 04 वर्ष पूर्ण होने पर प्रयागराज में प्राचीन अभिलेखों पर आधारित प्रदर्शनी।
- दिनांक 18 जून, 2021 को चौरी–चौरा शताब्दी समारोह के अन्तर्गत रानी लक्ष्मीबाई के बलिदान दिवस पर ऑनलाइन प्रदर्शनी।

- दिनांक 29 जून, 2021 को डा0 अम्बेडकर स्मारक एवं सांस्कृतिक केन्द्र के शिलान्यास के अवसर पर डा0 भीमराव अम्बेडकर के जीवन पर आधारित अभिलेख प्रदर्शनी।
- 'आजादी का अमृत महोत्सव' एवं चौरी–चौरा शताब्दी महोत्सव' के अन्तर्गत काकोरी में दिनांक 09 अगस्त, 2021 'स्वतन्त्रता आन्दोलन में काकोरी घटना' के विशेष सन्दर्भ में विषयक अभिलेख प्रदर्शनी।
- वाराणसी में 'अगस्त क्रान्ति दिवस' पर दिनांक 09 से 16 अगस्त, 2021 तक 'अगस्त क्रान्ति और स्वाधीनता आन्दोलन' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी।
- दिनांक– 12 अगस्त, 2021 को गोरखपुर में 'स्वतंत्रता संग्राम के शहीद' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी।
- दिनांक– 15 अगस्त, 2021 को मेरठ में 'स्वतंत्रता संग्राम' विषयक अभिलेख प्रदर्शनी।
- दिनांक 16 अगस्त, 2021 को प्रयागराज में प्रख्यात कवयित्री सुभद्र कुमारी चौहान के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर आधारित प्रदर्शनी।

कार्यालय में संरक्षित विभिन्न विभागों जैसे– अवध जनरल, अल्मोड़ा कलेक्ट्रेट, टेहड़ी गढ़वाल, आदि के लगभग 25,00,000 पृष्ठों की स्कैनिंग कराकर पी0डी0एफ0 तथा 21,026 पत्रावलियों के मेटा डाटा तैयार कराया गया।

उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार द्वारा अभिलेखागार में संरक्षित विभिन्न अभिलेखों का डिजिटाइजेशन (स्कैनिंग एवं मेटा डाटा) के कार्य के साथ इन अभिलेखों को शोधर्थियों को ऑनलाइन उपलब्ध कराने हेतु ई–अभिलेखागार पोर्टल प्रारम्भ कराया गया।

3. 03 पुस्तकों का प्रकाशन किया गया, जिसका विवरण निम्नवत् हैः–

- उ0प्र0 राजकीय अभिलेखागार एक परिचय पुस्तिका
- उत्तर प्रदेश की संरचना
- दिव्य कुम्भ भव्य कुम्भ, प्रयागराज 2019

4. डाक्यूमेन्ट्री फिल्म– दिव्य कुम्भ भव्य कुम्भ–2019 पर 02 डॉक्यूमेन्ट्री फिल्म तथा 02 टीजर।
5. उक्त अवधि में कार्यशाला–06, सांस्कृतिक कार्यक्रम–01, व्याख्यान–02 का आयोजन किया गया।
6. मौखिक इतिहास योजना के अन्तर्गत 01 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का साक्षात्कार टेप करने का कार्य किया गया।
7. 03 प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

अयोध्या शोध संस्थान, अयोध्या

संस्थान वर्ष 2017 से निरन्तर राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय कार्य किये गये हैं, जिनका सक्षिप्त विवरण निम्नवत् है :–

- नित्य पारम्परिक रामलीला मई, 2017 से 22 मार्च, 2020 तक तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या में नियमित रुप से पारम्परिक रामलीला मंचित की गयी।

अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला का आयोजन

वर्ष 2017–18 में इण्डोनेशिया, श्रीलंका, कम्बोडिया, थाईलैण्ड की रामलीला का आयोजन क्रमशः अयोध्या एवं लखनऊ में किया गया।

वर्ष 2018–19 में इण्डोनेशिया की रामलीला एवं भारत की पारम्परिक रामलीला की प्रस्तुति इण्डोनेशिया में तथा 18 जुलाई, 2018 से 02 अगस्त, 2018 तक त्रिनिडाड, गुयाना तथा सूरीनाम आदि कैरेबियन देशों में अयोध्या की रामलीला की प्रस्तुति की गयी।

वर्ष 2019–20 में 22 से 29 अगस्त, 2019 तक मॉरीशस देश में अयोध्या की रामलीला की प्रस्तुति हुई तथा 20 से 22 सितम्बर, 2019 को थाईलैण्ड, बांग्लादेश, श्रीलंका, मॉरीशस, कम्बोडिया, फिजी देशों की रामलीला लखनऊ में आयोजित की गयी।

21 जून, 2020 से 12 जुलाई, 2020 तक प्रत्येक रविवार को अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला प्रशिक्षण वेबिनार के माध्यम से सुनिश्चित किया गया।

- वित्तीय वर्ष 2017–18 से वित्तीय 2020–21 तक रामायण मेला में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

माननीय प्रधानमंत्री जी राम मन्दिर पर अयोध्या शोध संस्थान द्वारा तैयार कराये गये डाक टिकट का विमोचन करते हुए

प्रदर्शनी

संस्थान द्वारा विभिन्न स्थलों पर प्रदर्शनियां भी आयोजित की गयीं जिसमें उत्तर प्रदेश दिवस 2018 के अवसर पर अवध विश्वविद्यालय फैजाबाद में विदेशी रामलीला चित्र प्रदर्शनी, 15 सितम्बर, 2018 को फादर कामिल बुल्के के जन्म दिवस के स्मृति समारोह के अवसर पर रामनगर वाराणसी की विश्व प्रसिद्ध रामलीला पर आधारित छायाचित्र प्रदर्शनी, कुम्भ मेला 2019 प्रयागराज में राम की विश्व यात्रा पर आधारित प्रदर्शनी, दिनांक 5 से 8 फरवरी, 2020 तक डिफेन्स एक्सपो में 'राम की विश्व यात्रा' से सम्बंधित प्रदर्शनी, 12 नवम्बर, 2020 को राजभवन लखनऊ में पुस्तक प्रदर्शनी तथा 13 नवम्बर, 2020 को दीपोत्सव, अयोध्या–2020 के अवसर पर अयोध्या में 'इनसाइक्लोपीडिया आफ रामायण' पर आधारित चित्रकला प्रदर्शनी उल्लेखनीय है।

कोदण्ड राम की मूर्ति का अनावरण

- दिनांक 07 जून, 2019 को संस्थान के 'हस्तशिल्प में राम संग्रहालय' में स्थापित कर्नाटक की विशेष दक्षिण भारतीय शैली में टीक वुड की 07 फीट ऊँची कोदण्ड राम प्रतिमा का अनावरण तथा कोदण्ड राम पर आधारित डाक टिकट एवं विशेष कवर आवरण का विमोचन मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा किया गया।

माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा अयोध्या शोध संस्थान में कोदण्ड राम की मूर्ति का अनावरण

सांस्कृतिक कार्यक्रम

संस्थान द्वारा विविध अवसरों–उत्सवों, महोत्सव में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये। प्रमुख कार्यक्रमों का विवरण निम्नवत् हैः–

- दीपोत्सव, रंगोत्सव, रामायण मेला में नियमित कार्यक्रम कराये गये।
- 14 अप्रैल, 2019 को भीमराव अम्बेडकर जयन्ती के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम।
- 07 अगस्त, 2019 को तुलसी स्मारक भवन, अयोध्या तथा लखनऊ में तुलसी जयन्ती के उपलक्ष्य में मानस पाठ तथा कवि सम्मेलन का आयोजन।
- 08 अक्टूबर, 2020 एवं 07 नवम्बर, 2020 को मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा गोरखपुर में विभिन्न कार्यों का वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम के अवसर पर गोरखपुर में चयनित विभिन्न स्थलों पर विभिन्न लोक कलाकार दलों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आयोजन।
- 09 नवम्बर, 2020 को मा0 प्रधानमंत्री जी के वाराणसी में विभिन्न कार्यों का वर्चुअल शिलान्यास कार्यक्रम के अवसर पर वाराणसी में विभिन्न लोक दलों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां करायी गयीं।
- दिनांक 31 अक्टूबर, 2020 को वाल्मीकि जयन्ती के अवसर पर जनपद अयोध्या के विभिन्न 23 स्थलों पर वाल्मीकि रामायण एवं भजन पाठ का आयोजन किया गया।
- मिशन शक्ति के अन्तर्गत बड़ी देवकाली मंदिर अयोध्या में देवी गीत आधारित लोकनृत्य के सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किये गये तथा 11 दिसम्बर, 2020 को अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी प्रेक्षागृह, अयोध्या में विशिष्ट विधाओं में विशिष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को पुरस्कृत एवं सम्मानित किया गया।

थाईलैण्ड के रामलीला कलाकारों की प्रस्तुति

शोध कार्य

संस्थान की वित्तीय सहायता से विभिन्न शोध कार्य भी संचालित किये गये जिसमें 'तेलगु लोक साहित्य में राम तत्व', 'भारतीय भाषाओं में रामकथा', उड़िया, हरियाणवी, मलयालम, असमिया, उर्दू, फारसी, भोजपुरी, ब्रज, मराठी, 'एन्थ्रोपोलॉजिकल इनसाइक्लोपीडिया आफ अवध' आदि उल्लेखनीय हैं।

संस्थान द्वारा शोध पत्रिका साक्षी के 15 अंकों का प्रकाशन कराया गया। इसके अतिरिक्त संस्थान द्वारा प्रतिवर्ष पंचांग का प्रकाशन भी कराया जाता है।

राष्ट्रीय/अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

संस्थान द्वारा अयोध्या एवं श्री राम से सम्बन्धित विषयों पर छः राष्ट्रीय एवं अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की संगोष्ठियों का आयोजन किया गया।

राम की विश्वयात्रा प्रदर्शनी का अवलोकन करते माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश

ग्लोबल इनसाइक्लोपीडिया ऑफ रामायण

- ग्लोबल इनसाइक्लोपीडिया ऑफ रामायण के अन्तर्गत जून, 2020 से सितम्बर, 2021 तक निम्नवत् कार्य किये गये–
- लगभग 50 वेबिनार आयोजित किये गये जिसमें लगभग 500 विद्वान/शोध छात्र/संस्कृतिवेत्ताओं का जुड़ाव जिसमें लगभग 12 देशों का प्रतिनिधित्व हुआ।
- प्रकाशित रूप में इनसाइक्लोपीडिया के कार्यः–
- Curtain Raiser Volume-I का विमोचन मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा दिनांक 05 मार्च, 2021 को किया गया।
- Training-2020 कार्यक्रम के अन्तर्गत 04 कार्यशालाओं का आयोजन जिसमें 14 देशों के लगभग 350 लोगों की Certificate Course में सहभागिता सुनिश्चित हुई।
- GOR Festival (Sep-Oct 2020) का आयोजन (30 देशों की रामलीला का ऑनलाइन मंचन) किया गया।
- पाठ पारायण 10 देशों में रामचरितमानस के 7 काण्डों का Live प्रसारण किया गया।

संस्थान की सहायता से प्रकाशित ग्रन्थ

संस्थान द्वारा प्रत्येक वर्ष पुरातन संस्कृति एवं रामलीला विषयक विभिन्न ग्रन्थों का प्रकाशन करवाया जाता है। जिससे जन सामान्य को संस्कृति एवं सभ्यता से जुड़ाव एवं जानकारी सुलभ हो –

क्र.	पुस्तक का नाम	लेखक/संपादक/संकलनकर्ता
1.	अवधी लोक भाषा की व्यंड्योक्तियां	श्री सदाशिव त्रिवेदी
2.	रामलीला की उत्पत्ति एवं विकास	श्री मोहनराम यादव
3.	रत्नहरि के राम काव्य का समीक्षात्मक अध्ययन	डॉ0 हरदीप सिंह
4.	श्री रामचरितमानस	प0 राम नरेश त्रिपाठी
5.	साही जतरा– श्री जगन्नाथ की रामलीला परम्परा	डॉ0 नीतू सिंह
6.	Sahi Jatra, Ramlila Tradition of Sri Jagannath	डॉ0 नीतू सिंह
7.	Ramman	डॉ0 अंजली चौहान
8.	भारतीय भाषाओं में रामकथा (तेलगु)	डॉ0 एम. शेषन
9.	भारतीय भाषाओं में रामकथा (पंजाबी)	डॉ0 हरमेन्द्र सिंह बेदी
10.	राम की वैश्विक यात्रा	अयोध्या शोध संस्थान
11.	जनजातीय जीवन में राम	श्री बसन्त निरगुणे
12.	श्री रामचरितमानस	महाराज करुणासिंधु
13.	अवध की थारू जनजाति : संस्कार एवं कला	दीपा सिंह रघुवंशी
14.	मइहर के अँगना	दीपा सिंह रघुवंशी
15.	Ram Lilas in North India and Mouritius	Indrani Rampersad

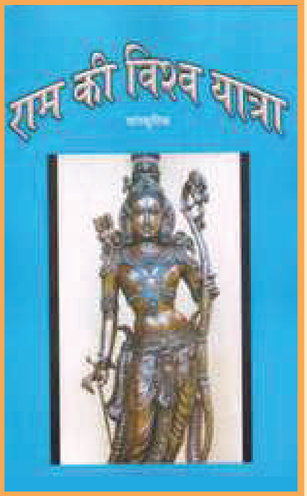

संस्थान द्वारा साक्षी पत्रिका का प्रकाशन

क्र.सं.		पुस्तक का नाम	लेखक/संपादक/संकलनकर्ता
1.	साक्षी–45	रामलीला की उत्पत्ति एवं विकास	श्री राममोहन यादव
2.	साक्षी–46	अयोध्या की विविध छवियॉं	डॉ0 अवधेश मिश्र
3.	साक्षी–47	अयोध्या के राजा और स्थापत्य	डॉ0 अवधेश मिश्र
4.	साक्षी–24	भारतीय भाषाओं में रामकथा (पंजाबी)	डॉ0 हरमेन्द्र सिंह बेदी
5.	साक्षी–48	जनजातीय जीवन में राम	श्री बसन्त निरगुणे
6.	साक्षी– 49		दीपा सिंह रघुवंशी
7.	साक्षी– 50		दीपा सिंह रघुवंशी
8.	साक्षी– 53		Indrani Rampersad

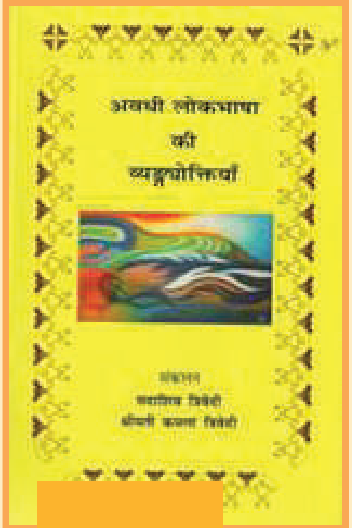

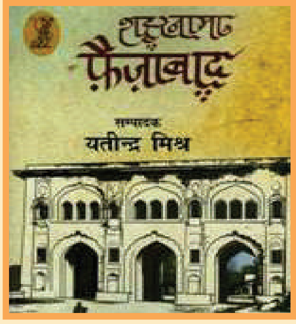

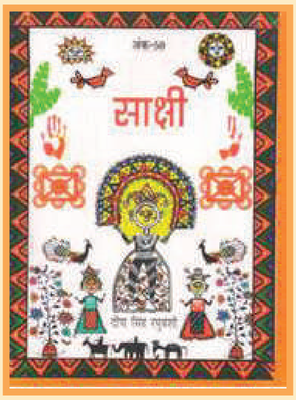

राज्य ललित कला अकादमी, उत्तर प्रदेश

चित्रकला शिविर का माननीय मुख्यमंत्री जी द्वारा अवलोकन

- राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा वर्ष 2017 से सितम्बर–2021 तक आयोजित अपनी महत्वपूर्ण गतिविधियों में अंर्तराष्ट्रीय स्तर के 04 कार्यक्रम, राष्ट्रीय/अखिल भारतीय स्तर के 30 कार्यक्रम, प्रदेश स्तर के 69 कार्यक्रम, क्षेत्रीय स्तर के 38 कार्यक्रम, जिला स्तर के 165 कार्यक्रम, नवीन/अतिविशिष्ट स्तर के 48 कार्यक्रम इस प्रकार अकादमी द्वारा वर्ष 2017 से सितम्बर–2021 तक कुल 354 कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।
- अकादमी द्वारा आयोजित विभिन्न अखिल भारतीय, राज्य स्तरीय प्रदर्शनियों, प्रतियोगिताओं में वर्ष 2017 से सितम्बर–2021 तक लगभग 215 कलाकारों को पुरस्कृत किया गया। अकादमी द्वारा वित्तीय वर्ष 2017 से वर्ष–2019 के अंतराल प्रदेश के विभिन्न जिलों में आयोजित की गयीं ग्रीष्मकालीन कार्यशालाओं के अंतर्गत लगभग 3000 छात्र एवं कलाकार लाभान्वित हुए।

- कुम्भ मेला, प्रयागराज–2019 के अंतर्गत राज्य ललित कला अकादमी, उ0प्र0 द्वारा अखिल भारतीय स्तर की छायाचित्र एवं दृश्यकला प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया। इसके अतिरिक्त कला शिविर, प्रतियोगिताओं एवं कार्यशालाओं इत्यादि का आयोजन भी किया गया जिसमें कुल 2200 कलाकारों द्वारा प्रतिभाग किया गया। कुम्भ मेला परिक्षेत्र में आयोजित प्रदर्शनियों को देश से आये असंख्य श्रद्धालुओं ने प्रदर्शनी का अवलोकन किया। कलारंग कार्यशालाओं का आयोजन वर्ष 2020–21 में लखनऊ, वाराणसी, गोरखपुर, अयोध्या, मथुरा, प्रयागराज में किया गया। उक्त कार्यशालाओं के माध्यम से कुल 925 कलाकारों को कला प्रशिक्षण प्रदान किया गया।

- कुम्भ पूर्व वैष्णव बैठक, वृन्दावन–2021 के अवसर अकादमी द्वारा संस्कृति ग्राम–वृन्दावन में विभिन्न कला प्रदर्शनियों का संयोजन किया गया। संस्कृति ग्राम की प्रदर्शनियों का उद्घाटन मा0 मुख्यमंत्री जी, उ0प्र0 द्वारा किया गया। आजादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी–चौरा शताब्दी महोत्सव के आयोजनों की श्रृंखला में अकादमी द्वारा वर्ष 2021 में माह सितम्बर तक विविध प्रकार के ऑनलाइन/ऑफलाइन कला शिविर, प्रतियोगितायें एवं कार्यशालायें आयोजित की जा चुकी हैं। उक्त आयोजनों में लगभग 400 कलाकारों द्वारा अपने कला सृजन को प्रस्तुत किया जा चुका है।
- ललित कला अकादमी द्वारा 2017 से 2021 तक मे मध्य डॉ0 भीमराव आंबेडकर जयन्ती, पं0 दीन दयाल उपाध्याय जन्मशती समारोह, अन्तर्राष्ट्रीय गीता महोत्सव–2017 कुरुक्षेत्र, उ0प्र0 दिवस– लखनऊ एवं नोएडा, महात्मा गाँधी जयन्ती, दीपोत्सव अयोध्या, श्री कृष्णोत्सव–मथुरा, सरदार पटेल जयन्ती, पं0 गोविन्द बल्लभ पन्थ जयन्ती आदि अनेक अवसरों पर नियमित चित्रकला प्रदर्शनियों का आयोजन किया गया, जिन्हें अत्यधिक सराहा गया है।

भारतेन्दु नाट्य अकादमी, लखनऊ

- भारतेन्दु नाट्य अकादमी नाट्य विधाओं में प्रशिक्षण के साथ युवा पीढ़ी को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य करती है।
- अकादमी में कई वर्षों से रिक्त प्रशिक्षकों के पदों पर नियुक्तियाँ की गई।
- 90 अतिथि प्रशिक्षकों को प्रशिक्षण प्रदान करने हेतु आमंत्रित किया गया।
- छात्रों द्वारा 69 नाट्य प्रस्तुतियाँ 25 अन्य मंचीय प्रस्तुतियाँ की गई।
- 34 कार्यशालाओं का भी आयोजन किया गया।
- भारतेन्दु नाट्य अकादमी नाट्य विधाओं में प्रशिक्षण के साथ युवा पीढ़ी को रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ने का कार्य करती है।
- आज़ादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्रदेश के 30 जनपदों में 4 स्थानों में स्थानीय स्वतंत्रता संग्राम से जुड़े नुक्कड़ नाटकों का मंचन किया गया है।
- करोना महामारी के दौर में कलाजगत के मौन को तोड़ते हुए वेबिनार रंग समागम प्रथम का आयोजन कर 31 महानुभावों को आमंत्रित कर उनके अनुभवों को साझा किया गया।
- रंग झरोखा डिजिटल थियेटर के माध्यम से प्रस्तुतियों को रिकार्डिंग कर युट्यूब पर प्रसारित किया गया है।
- रंग समागम द्वितीय का आयोजन कर कला जगत से जुड़ी हुई 65 हस्तियों को आमंत्रित कर सोशल मीडिया के माध्यम से उनके अनुभवों को साझा करते हुए युवा पीढ़ी को कला जगत से परिचित कराया।

- भारतेनदु जयन्ती के अवसर पर दिनांक 09 सितम्बर, 2021 को माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी द्वारा निम्न पाँच रंगकर्मियों को सम्मानित किया गया–

पद्मश्री राज बिसारिया, संस्थापक निदेशक

श्री दीपेश चौधरी, प्रपौत्र, भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जी, वाराणसी

श्री हेमेन्द्र भाटिया, पूर्व छात्र एवं रंगकर्मी

श्री सुरेश शर्मा, पूर्व छात्र एवं निदेशक, उत्तर मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, प्रयागराज।

श्री अतुल तिवारी, पूर्व छात्र एवं लेखक–अभिनेता

- भारतेनदु जयन्ती के अवसर पर दिनांक 09 सितम्बर, 2021 को माननीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री डॉ0 नीलकंठ तिवारी जी द्वारा निम्न रंगकर्मियों को सम्मान प्रदान किया गया–

श्री सुशील कुमार सिंह, पूर्व निदेशक, भारतेन्दु नाट्य अकादमी

श्री पुनीत अस्थाना, पूर्व निदेशक, भारतेन्दु नाट्य अकादमी

श्री सूर्य मोहन कुलश्रेष्ठ, पूर्व निदेशक, भारतेन्दु नाट्य अकादमी

श्री अरूण त्रिवेदी, पूर्व प्रशिक्षक एवं निदेशक, भारतेन्दु नाट्य अकादमी।

श्रीमती रमा अरूण त्रिवेदी, कार्यक्रम प्रमुख, दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

सुश्री चित्रा मोहन, पूर्व प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षण प्रभारी, भारतेन्दु नाट्य अकादमी

श्री जितेन्द्र मित्तल, नाट्य निर्देशक

श्री ललित सिंह पोखरिया, नाट्य निर्देशक, लेखक, अभिनेता

श्री कल्पेश मोदी, लेखक, निर्देशक

श्री राघव प्रकाश, प्रकाश परिकल्पक एवं अभिनेता, उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी सम्मान।

श्री मेराज आलम, पुतुल नाट्यकर्मी

श्री राकेश पाण्डेय, फिल्म एवं रंगमंच अभिनेता

श्री जगमोहन रावत, रंग संयोजक एवं व्यवस्थापक

श्री अवनीश मिश्रा, नाट्य निर्देशक, कला गौरव सम्मान प्राप्त।

श्री दिलीप आर्या, अभिनेता, रंगमंच एवं सिनेमा।

श्री संजय यादव, कला निर्देशक, रंगमंच एवं भारतीय सिनेमा।

श्री मनोज शर्मा, अभिनेता एवं नाट्य निर्देशक।

श्री रोहित त्रिपाठी, अभिनेता, नाट्य निर्देशक, रंगमंच एवं सिनेमा

श्री विजय सैनी, निर्देशक, धारावाहिक एवं भारतीय सिनेमा।

श्री अभिषेक गुप्ता, अभिनेता, कोरियोग्राफर

श्री कृष्ण गोपाल, अभिनेता, लेखक, निर्देशक, रंगमंच एवं भारतीय सिनेमा।

श्री वैभव सारस्वत, अभिनेता, धारावाहिक एवं भारतीय सिनेमा।

श्री अरूण शेखर, लेखक, अभिनेता, भारतीय सिनेमा एवं धारावाहिक।

श्री राजीव राज, कार्यक्रम अधिकारी, दूरदर्शन।

श्री बृजेश ब्यास, व्यवस्थापक, निर्माता

श्री भूपेश जोशी, लेखक एवं अभिनेता उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी सम्मान।

श्री अजीत सिंह, अभिनेता सिनेमा एवं धारावाहिक।

श्री राजेश त्रिपाठी, लेखक एवं अभिनेता, रंगमंच भारतीय सिनेमा एवं धारावाहिक।

श्री अशोक पाठक, अभिनेता, रंगमंच, भारतीय सिनेमा एवं धारावाहिक

श्री नलनीश नील, अभिनेता, रंगमंच, भारतीय सिनेमा एवं धारावाहिक।

श्री आलोक पाण्डेय, अभिनेता, रंगमंच भारतीय सिनेमा एवं धारावाहिक।

श्री आकाश पाण्डेय, अभिनेता, रंगमंच भारतीय सिनेमा एवं धारावाहिक।

श्री राज उपाध्याय, अभिनेता, निर्देशक

श्री राम मेहर जांगड़ा, अभिनेता

श्री अतुल श्रीवास्तव, पूर्व छात्र, भा0ना0अकादमी

श्री सलीम आरिफ, पूर्व छात्र, भा0ना0अकादमी एवं लेखक, निर्देशक

श्री रामचन्द्र सिंह, पूर्व छात्र, भा0ना0अकादमी, अभिनेता

श्री राकेश श्रीवास्तव, पूर्व छात्र, भा0ना0अकादमी, अभिनेता

श्री जे0पी0सिंह, पूर्व छात्र, भा0ना0अकादमी, लेखक

श्री विभांशु वैभव, पूर्व छात्र, भा0ना0अकादमी एवं लेखक

उत्तर प्रदेश
संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ

- अकादमी की स्थापना 13 नवम्बर, 1963 को हुई थी पिछले 56 वर्षों से अकादमी संगीत, नृत्य, नाटक, लोक संगीत, लोक नाटकीय परम्पराओं के प्रचार–प्रसार, सर्वधन एवं परिरक्षण का महत्वपूर्ण कार्य कर रही है। उ0प्र0 संगीत नाटक अकादमी ने तीन वर्षों में नृत्य, नाटक, लोक संगीत एवं शास्त्रीय संगीत के साथ उनेक नाट्य समारोहों एवं बाल कार्यशालाओं का आयोजन किया। 10 वर्षों से बंद अकादमी पुरस्कारों से प्रदेश की 128 महान विभूतियों को सम्मानित किया गया, यह एक सुखद दिन था।

- अकादमी द्वारा वर्ष 2017–18 से वर्ष 2020–21 के मध्य किये गये कार्यों का विवरण निम्नवत् हैः–

वर्ष 2017–18

अवध संध्या, नमन, धरोहर, यादें, कथक कार्यशाला, नाट्य कार्यशाला, रसमंच, अंशदान, सम्भागीय नाट्य समारोह, राज्य नाट्य समारोह, लोकनाट्य समारोह, उल्लास उत्सव, सम्भागीय संगीत प्रतियोगिता, नवांकुर एवं अन्य कार्यक्रम

प्रतिभागिताः 355 कलाकार, 420 प्रतियोगिता प्रतिभागी, 130 प्रशिक्षु कलाकार

कथक केन्द्र में प्रशिणार्थी– 130

वर्ष 2018–19

अवध संध्या, नमन, धरोहर, यादें, कथक कार्यशाला, नाट्य कार्यशाला, रसमंच, अंशदान, सम्भागीय नाट्य समारोह, राज्य नाट्य समारोह, लोकनाट्य समारोह, उल्लास उत्सव, सम्भागीय संगीत प्रतियोगिता, नवांकुर एवं अन्य कार्यक्रम

प्रतिभागिताः 350 कलाकार, 450 प्रतियोगिता प्रतिभागी, 175 प्रशिक्षु कलाकार

कथक केन्द्र में प्रशिणार्थी –183

वर्ष 2019–20

अवध संध्या, नमन, धरोहर, यादें, कथक कार्यशाला, नाट्य कार्यशाला, रसमंच, अंशदान, सम्भागीय नाट्य समारोह, राज्य नाट्य समारोह, लोकनाट्य समारोह, उल्लास उत्सव, सम्भागीय संगीत प्रतियोगिता, नवांकुर एवं अन्य कार्यक्रम

प्रतिभागिताः 554 कलाकार, 475 प्रतियोगिता प्रतिभागी, 265 प्रशिक्षु कलाकार

कथक केन्द्र में प्रशिणार्थी–228

वर्ष 2020–21

अवध संध्या, नमन, धरोहर, यादें, कथक कार्यशाला, नाट्य कार्यशाला, रसमंच, अंशदान, सम्भागीय नाट्य समारोह, राज्य नाट्य समारोह, लोकनाट्य समारोह, उल्लास उत्सव, सम्भागीय संगीत प्रतियोगिता, नवांकुर एवं अन्य कार्यक्रम

प्रतिभागिताः 596 कलाकार, 500 प्रतियोगिता प्रतिभागी, 550 प्रशिक्षु कलाकार

कथक केन्द्र में प्रशिणार्थी–178

प्रदेश में पहली बार आयोजित 16 संस्कारों पर आधारित गीत प्रतियोगिता में भी अकादमी की सक्रिय भूमिका रही है।

वर्ष 2021–2022

- नमन, कथक कार्यषाला, रसमंच, ऑनलाईन वेबिनार ऑनलाईन नाट्य कार्यषालाओं के अन्तर्गत–वेषभूषा, मास्कमेकिंग, रंगमंचीय तकनीक एवं डिज़ाइनिंग, आज़ादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी–चौरा षताब्दी महोत्सव इत्यादि श्रृंखलाओं के अन्तर्गत विभिन्न
- वेबिनार, कार्यषालाओं एवं अन्य ऑनलाईन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

प्रतिभागिता: 596 कलाकार प्रतियोगिता प्रतिभागी 650 स्टूडेंट्स (कथक कार्यषाला)

कथक केन्द्र में प्रशिक्षणार्थी–

- रामायण कॉन्क्लेव के अन्तर्गत ''रामायण गान'' प्रतियोगिता एवं प्रष्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र प्रदान किए गए।

प्रतिभागिता: 205 स्टूडेंट्स प्रतियोगिता प्रतिभागी 330 (रामायण गान एवं प्रष्नोत्तरी प्रतियोगिता)

राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ

राष्ट्रीय कथक संस्थान, लखनऊ का उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर कथक के विविध घरानो की परम्पराओं का अभिलेखीकरण, युवा प्रतिभाओं को प्रोत्साहन, वरिष्ठ कलाकारों का संरक्षण, कथक नृत्य का संवर्धन एवं लुप्त हो गये व नवीन पक्षो पर शोध और कथक संग्रहालय की स्थापना। संस्थान द्वारा वर्ष 2017 से अब तक किये गये प्रमुख कार्यकलापो का विवरण निम्नवत् है :–

1. <u>शिक्षण</u>– संस्थान द्वारा 06 वर्ष से 28 वर्ष तक के आयु के छात्र–छात्राओं को प्रारम्भिक स्तर से लेकर परास्नातक स्तर तक की शिक्षा एवं परीक्षा दिलाई जाती है। वर्ष 2017–18 में 560, वर्ष 2018–19 में 430, वर्ष 2019–20 में 410, वर्ष 2020–21 में 250 एवं वर्ष 2021–22 में 250 छात्र–छात्राओं को प्रवेश देकर शिक्षण प्रदान किया गया है।
2. <u>मासिक कथक संध्या</u>– प्रत्येक माह के तृतीय शुक्रवार को अनवरत कथक संध्या का आयोजन किया जा रहा हैं, जिसमें प्रतिभावाना, उद्दीमान, नवोदित एवं वरिष्ठ कलाकारों को अपनी प्रतिभा के प्रदर्शन का अवसर प्रदान किया जाता है। वर्ष 2017–18 में 11, वर्ष 2018–19 में 08, वर्ष 2019–20 में 10, वर्ष 2020–21 में 08 एवं वर्ष 2021–22 में अब तक 03 मासिक कथक संध्याओं का आयोजन किया गया है।

3. <u>कथक शिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं की वार्षिक प्रस्तुति रुनझुन–</u> कथक प्रशिक्षण प्राप्त कर रही छात्राओं को मंच के प्रति आत्म विश्वास जाग्रत करने तथा उन्हे प्रस्तुतीकरण के प्रति जागरुक बनाने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष रुनझुन कार्यक्रम का आयोजन किया जाता है, जिसमें संस्थान से शिक्षण प्राप्त कर रहे प्रशिक्षु कलाकार भाग लेते है।

4. <u>यंग प्रोफेशनल ग्रूमिंग कोर्स (कार्यशाला)–</u> सुप्रसिद्ध कथक आचार्यो द्वारा बाल एवं युवा कलाकारों को नृत्य का उच्च तकनीकि प्रशिक्षण प्रदान करने के उद्देश्य से इस कार्यशाला का आयोजन किया जाता है। जिससे प्रशिक्षित बाल एवं युवा कलाकारों को प्रस्तुतियां तैयार करने हेतु परिपक्व किया जा सके। वर्ष 2017–18 में भगवान शिव एवं भगवान कृष्ण के अनेक रूपों पर अधारित नृत्य सौन्दर्य, वर्ष 2018–19 में नाचक सूदन, वर्ष 2019–20 में कथक प्रवाह, वर्ष 2020–21 में कान्हा संग होरी आदि कथक नृत्य की प्रस्तुतियां कार्यशाला में तैयार की गयी, जिन्हे सफलतापूर्वक मंचित किया गया।

5. <u>कथक बाल उत्सव–</u> प्रदेश के अन्य संस्थाओं के कथक प्रशिक्षुओं हेतु कथक बाल उत्सव का आयोजन नियमित रूप से किया जा रहा है। वर्ष 2017–18 से अब तक 475 बाल, युवा एवं किशोर कलाकारों ने बाला उत्सव में प्रतिभाग किया।

6. <u>पं0 बिन्दादीन महाराज स्मृति 'रसरंग'–</u> यह राष्ट्रीय कथक संस्थान का वार्षिक आयोजन है, जिसमें प्रतिवर्ष प्रतिष्ठित कलाकारों द्वारा कथक में हो रहें नवीन प्रयोग एवं परम्परा का प्रस्तुतीकरण होता है। इस क्रम वित्तीय वर्ष 2019–20 में दिनांक 04 एवं 05 फरवरी, 2020 को स्थानीय संग गाडगे जी महाराज प्रेक्षागृह, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ में यह कार्यक्रम सम्पन्न कराया गया।

7. राष्ट्रीय कथक संस्थान द्वारा दिनांक 17 अक्टूबर से 25 अक्टूबर तक नौ दिवसीय कार्यक्रम 'शक्तिरूपा' का आयोजन संस्थान परिसर में किया गया शीर्षक शक्तिरूपा के अन्तर्गत विषय था 'नारी शक्ति नारी सम्मान'।

8. भारत रत्न सदार वल्लभ भाई पटेल जी को समर्पित सांगीतिक उत्सव 'सारे जहां से अच्छा' दिनांक 31 अक्टूबर, 2020 एकता दिवस के रूप में संस्थान परिसर में आयोजित किया गया।

9. भारत रत्न माननीय अटल बिहारी बाजपेयी जी की जयंती के उपलक्ष्य में दो दिवसीय 'संगीत उत्सव' दिनांक 23 एवं 24 दिसम्बर, 2020 को आयोजित किया गया, जिसमें कथक एवं संगीत के कलाकारों एवं कलाविदों ने भाग लिया।

10. <u>चौरी–चौरा शताब्दी महोत्सव एवं आजादी का अमृत महोत्सव–</u>

(1) दिनांक 09 तथा 10 अगस्त, 2021 (दो दिवसीय) संस्थान परिसर में 'भावांजलि उत्सव' सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं विषय विशेष प्रतियोगिताए।

(2) दिनांक 12 अगस्त, 2021 संवाद मंचन प्रेक्षागृह, दीनदयाल उपाध्याय विश्वविद्यालय, गोरखपुर में 'शहीद बन्धु सिंह बलिदान दिवस विशेष' जननी जन्मभूमिश्च एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम।

(3) दिनांक 16 अगस्त, 2021, निराला प्रेक्षागृह, शुक्ला गंज, उन्नाव में कथक प्रस्तुति 'हम रहें न रहें ये देश रहना चाहिए' एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम।

उत्तर प्रदेश जैन विद्या शोध संस्थान, लखनऊ

उ0प्र0 जैन विद्या शोध संस्थान, लखनऊ संस्कृति विभाग के अधीनस्थ कार्यरत स्वायत्तशासी संस्थान है, संस्थान का प्रमुख उद्देश्य जैन धर्म से सम्बन्धित जैन साहित्य का शोध सर्वेक्षण एवं ग्रंथों का एकीकृत कर संरक्षित एवं संवर्धित करना है।

वर्तमान सरकार के गठन के पश्चात प्रदेश में पहली बार वर्ष 2017–2021 के मध्य उत्तर प्रदेश के प्रमुख जैन तीर्थ स्थलों–श्रावस्ती, कुशीनगर, मथुरा, हस्तिनापुर, मैनपुरी आदि स्थलों पर जैन धर्म के महत्वपूर्ण पर्वों पर संगोष्ठ/सेमिनार/विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित की गयीं।

रोजगार सृजन के उद्देश्य से संस्थान द्वारा पहली बार 06 माह ऑनलाइन प्रमाण पत्र कोर्स प्रारम्भ किया गया है।

भारत रत्न श्री अटल बिहारी बाजपेयी जयन्ती समारोह में आयोजित वेबिनार

क्षमावाणी पर्व पर आयोजित कार्यक्रम

कमश : हस्तिनापुर एवं लखनऊ स्थिति डा0 शकुन्तला मिश्रा राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय में आयोजित सेमिनार के चयनित शोध पत्रों को संस्थान द्वारा प्रकाशित भी कराया गया।

कोरोना काल में संस्थान द्वारा ऑनलाइन वेबिनार एवं विद्यार्थियों हेतु विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताएं करायी गयीं एवं विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया।

'चौरी चौरा शताब्दी समारोह' एवं 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत स्वतंत्रता संग्राम से सम्बंधित महत्वपूर्ण तिथियों पर संस्थान द्वारा निरन्तर कार्यकम आयोजित किये जा रहे हैं।

नारी सशक्तिकरण के अन्तर्गत मिशन शक्ति कार्यकम की श्रृंखला में संस्थान द्वारा कार्यकम आयोजित किये जा रहे है।

हस्तिनापुर में जैन दर्शन पर राष्ट्रीय सेमिनार

तीर्थंकर महावीर जन्मकल्याणक महोत्सव

अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ

- संस्कृति विभाग के अधीनस्थ कार्यरत अन्तर्राष्ट्रीय बौध शोध संस्थान की स्थापना 1985 में हुई थी संस्थान का प्रमुख उद्देश्य भारत सहित विश्व के देशों में प्रचलित बौद्ध साहित्य का शोध, सर्वेक्षण, ग्रंथों का एकीकरण, पालि एवं तिब्बती भाषाओं का अध्ययन, परिचर्चा, संगोष्ठी, व्याख्यांन सम्मेलन द्वारा बौद्ध धर्म के विचारों के संरक्षण एवं सर्वधन एवं शोध कार्य करना है।

- अन्तर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान की वर्ष 2017 से अब तक की प्रमुख गतिविधियां निम्नवत् रही हैं:–
- संस्थान द्वारा पालि भाषा के उत्थान हेतु पालि भाषा का 06 माह का प्रमाण पत्र कोर्स नि:शुल्क संचालित किया जा रहा है।
- विश्व पालि दिवस के अवसर पर अन्तर्राष्ट्रीय सेमिनार/बौद्ध सम्मेलन का आयोजन वृहद स्तर पर किया गया।
- बौद्ध धर्म से सम्बंधित अनेक बुकलेट को प्रकाशित कर ग्राम, तहसील एवं जिला स्तर पर घर–घर जाकर बुकलेट का वितरण किया गया तथा भगवान बुद्ध के उपदेशों को जन–जन तक पहुँचाने का कार्य निरन्तर किया जा रहा है।

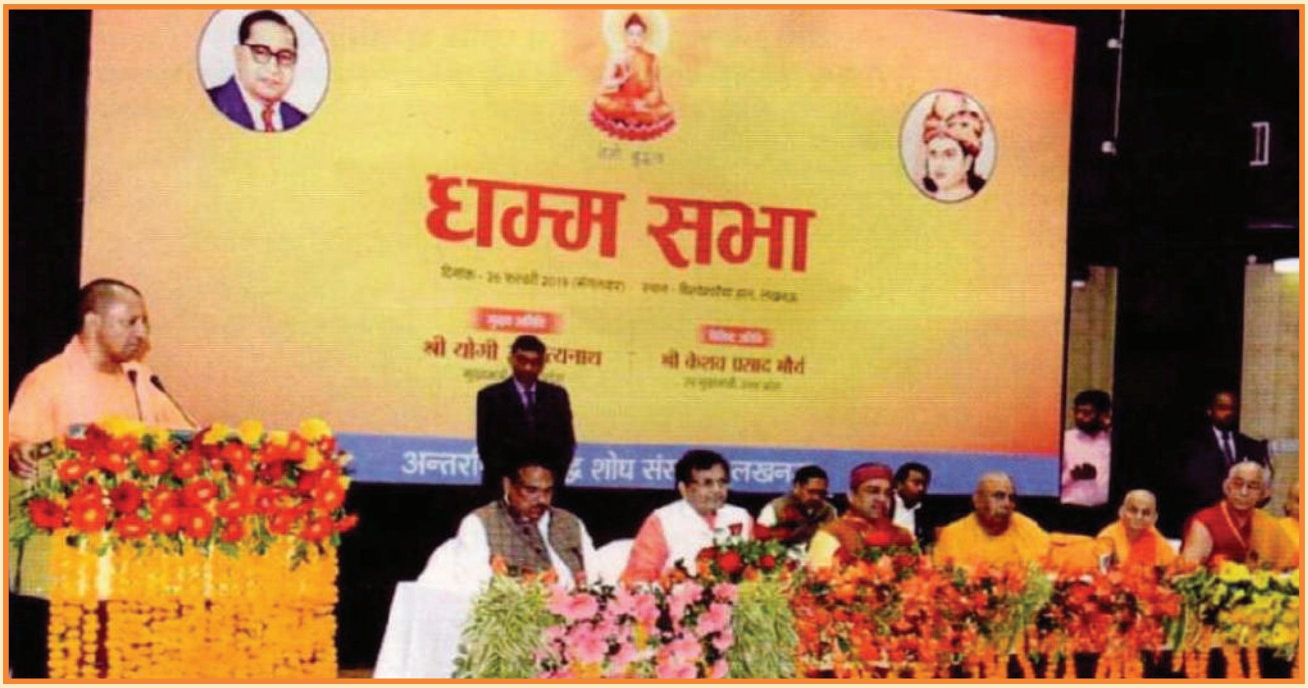

- संस्थान द्वारा आंबेडकर जयन्ती, बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सेनिार/सम्मलेनों के आयोजन के साथ–साथ धम्म सभा, धम्मदेशना तथा त्रिपिटक महोत्सव का आयोजन किया गया।
- संस्थान के स्थापना दिवस के अवसर पर दिनांक 28 फरवरी, 2021 को बौद्ध सम्मेलन का आयोजन किया गया।
- दिनांक 20 से 22 मार्च, 2021 को अन्तर्राष्ट्रीय बुस्ट कॉनक्लेव का आयोजन लखनऊ में किया गया। उपरोक्त अवसर पर पर एक पत्रिका का प्रकाशन तथा पालि भाषा से सम्बन्धित विभिन्न पुस्तिकाओं का प्रकाशन भी कराया गया।
- 'चौरी चौरा शताब्दी समारोह' एवं 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अन्तर्गत स्वतंत्रता संग्राम से सम्बंधित महत्वपूर्ण तिथियों पर संस्थान द्वारा निरन्तर कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं।

संस्थान के अध्यक्ष द्वारा माननीय मुख्यमंत्री जी को बोधि वृक्ष भेंट किया जाना

लखनऊ में अन्तर्राष्ट्रीय बुद्धिस्ट कॉनक्लेव

लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान

उत्तर प्रदेश के जनजातीय एवं लोक संस्कृति के संरक्षण, संवर्धन एवं प्रदर्शन हेतु लोक एवं जनजाति कला एवं संस्कृति संस्थान की स्थापना सन् 1986 में की गई थी जिसके द्वारा लोक संस्कृति की लुप्त होती विधाओं को मंच प्रदान करना, इनमें संबंधित सर्वेक्षण/दस्तावेजीकरण आदि का महत्वपूर्ण कार्य किया जाता है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम

09 दिसम्बर, 2018 बुक्सा महोत्सव, जिला बिजनौर

30 अक्टूबर, 2018 रागनी लोक महोत्सव,
गौतम बुद्ध नगर

30 नवम्बर, 2018 सांस्कृतिक कार्यक्रम,
सी एस आई आर, लखनऊ

15 से 18 अक्टूबर, 2018 थारू महोत्सव, जिला बलरामपुर

04 नवम्बर, 2018 सांस्कृतिक कार्यक्रम, इग्नू, लखनऊ

09 से 11 फरवरी, 2019 बसन्तोत्सव कार्यक्रम, जिला बलरामपुर

संस्थान द्वारा कारगिल दिवस पर आयोजित गौरव गान

सांस्कृतिक कार्यक्रम

लोक सांस्कृतिक चौपाल 02 कार्यक्रम–झांसी एवं चन्दौली।

प्रस्तुतिपरक लोक नृत्य/गायन कार्यशाला 03,
आगरा, वाराणसी, गोण्डा।

क्षेत्रीय अंचलों के लोक कलाओं के विविध कार्यक्रम
04 इटावा, वाराणसी, झांसी, भदोही।

पारम्परिक विधाओं के संरक्षण हेतु गोष्ठी/पाक्षिक एवं मासिक
कार्यक्रम 06 वाराणसी 03, सोनभद्र, जौनपुर, लखनऊ।

29 से 30 अगस्त, 2019 लोक विमर्श कार्यक्रम, लखनऊ

- आदि उत्सव, गौरव गान, ज़रा याद करो कुर्बानी एवं वेबिनार आदि कार्यक्रम संस्थान द्वारा आयोजित किये गये।
- संस्थान द्वारा वेबसाइट का निर्माण, थारु जनजाति के जीवन दर्शन एवं संस्कृति पर डॉक्यूमेंट्री फिल्म का निर्माण
- काकोरी के नायकों पर लघुचित्र पुस्तिका का प्रकाशन।
- जनजातियों के संस्कृति, वाद्ययंत्र, लोक संगीत पर पुस्तिका/लेख का प्रकाशन के कार्य अकादमी द्वारा संचालित किये जा रहें हैं।
- अभिलेखीकरण योजना के अन्तर्गत प्रदेश की लोक कलाओं का अभिलेखीकरण एवं डॉक्यूमेंट्री फिल्मों का निर्माण।
- आज़ादी का अमृत महोत्सव एवं चौरी–चौरा शताब्दी समारोह के अन्तर्गत रंग कला का आयोजन।

उत्तर प्रदेश संग्रहालय निदेशालय, लखनऊ

आरम्भ में उ0 प्र0 के समस्त संग्रहालय संस्कृति निदेशालय, उ0 प्र0 द्वारा संचालित थे। प्रदेश के संग्रहालयों के विकास एवं संवर्द्धन, स्वतंत्र नियंत्रण, प्रभावी पर्यवेक्षण, नये संग्रहालयों की स्थापना, भवनों का निर्माण, आधुनिकीकरण/सुदृढ़ीकरण, प्रदर्शन आदि हेतु 31 अगस्त, 2002 को उ0 प्र0 संग्रहालय निदेशालय के रूप में स्वंतत्र निदेशालय की स्थापना की गई। उक्त के अन्तर्गत वर्तमान में कुल 15 संग्रहालय संचालित हैं एवं 04 संग्रहालय निर्माणाधीन हैं। इनमें से राज्य संग्रहालय, लखनऊ प्राचीनतम् एवं विशालतम बहुउद्देशीय संग्रहालय है। इसके अतिरिक्त अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त राजकीय संग्रहालय, मथुरा, राजकीय बौद्ध संग्रहालय, गोरखपुर, राजकीय संग्रहालय, झांसी तथा अन्तर्राष्ट्रीय रामकथा संग्रहालय एवं आर्ट गैलरी, अयोध्या क्षेत्रीय संग्रहालयों के रूप में स्थापित हैं। इन संग्रहालयों द्वारा कलाकृतियों एवं पुरावशेषों के संकलन, संरक्षण, प्रदर्शन, शोध एवं प्रकाशन के माध्यम से भारतीय संस्कृति के विभिन्न पहलुओं से पर्यटकों को परिचित कराया जाता है। कला के प्रति सामान्य जनमानस में अभिरूचि उत्पन्न करने हेतु प्रदर्शनी, संगोष्ठी, कार्यशाला, व्याख्यान, कला अभिरूचि पाठ्यक्रम तथा विभिन्न प्रकार की शैक्षिक प्रतियोगिताएं समय–समय पर आयोजित की जाती हैं।

माननीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्व.प्र.)
डॉ. नीलकंठ तिवारी द्वारा प्राकृतिक विज्ञान वीथिका का निरीक्षण

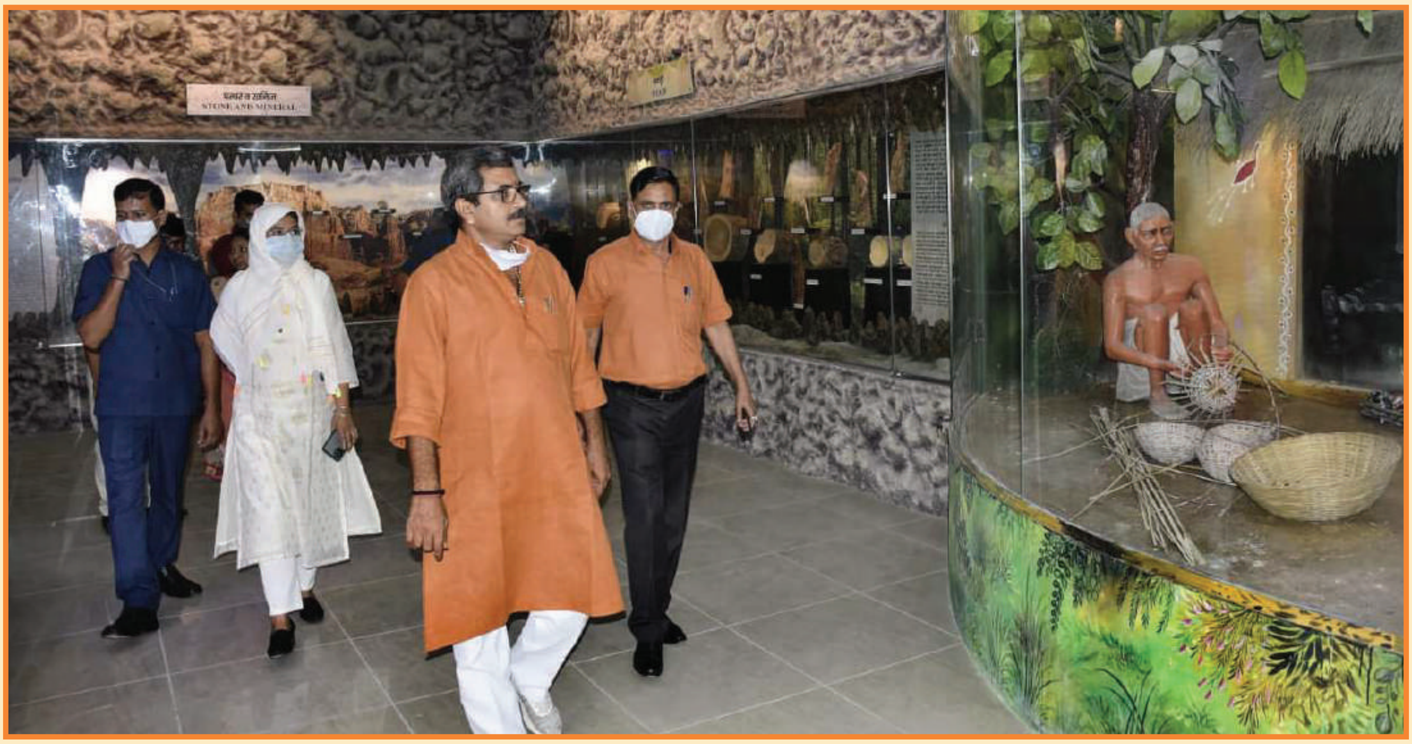

वर्तमान सरकार की सांस्कृतिक सम्पदा के संरक्षण की प्रतिबद्धता के दृष्टिगत उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय के नियन्त्रणाधीन संग्रहालयों के उत्थान, उन्नयन, विकास एवं संवर्धन हेतु विभिन्न परियोजनाएं लागू की गयी हैं। जिनके माध्यम से सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण, परिरक्षण, सुरक्षा, शोध तथा ज्ञान के प्रचार–प्रसार इत्यादि को निरन्तर प्रोत्साहन मिल रहा है। सतत विकास की ओर अग्रसर वर्तमान सरकार द्वारा अक्षय ऊर्जा के प्रोत्साहन, जनसुविधाओं का उच्चीकरण, आई0 ओ0 टी0 आधारित तकनीकि का प्रयोग, संग्रहालयों का आधुनिकीकरण, जल संरक्षण, वन संवर्धन इत्यादि की ओर विशेष ध्यान केन्द्रित करते हुए विभिन्न परियोजनाए उ0प्र0 संग्रहालय निदेशालय में विगत साढ़े चार वर्षों में लागू की गयी हैं।

- बलरामपुर के इमिलिया कोडर में थारू जनजाति से सम्बन्धित संग्रहालय की स्थापना।
- वर्ष 2018 में स्व0 लालबहादुर शास्त्री स्मृति भवन संग्रहालय, रामनगर वाराणसी का लोकार्पण महामहिम राज्यपाल महोदय एवं मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा कियागया।
- मा0 मुख्यमंत्री जी की घोषणा के अन्तर्गत कौशाम्बी में संग्रहालय की स्थापना हेतु भूमि संस्कृति विभाग, उ0प्र0 के पक्ष में हस्तान्तरित कर दी गयी है।
- जनपद लखनऊ, सोनभद्र, पीलीभीत एवं लखीमपुर खीरी में जनजाति संग्रहालयों की स्थापना कराये जाने की कार्यवाही की जा रही है।

उत्तर प्रदेश दिवस में प्रदर्शनी

- राज्य संग्रहालय, लखनऊ के अन्तर्गत दर्शकों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों के उपयोगार्थ निम्नलिखित 03 नवीन गैलरी भी प्रदर्शित की गयी हैं:–
- **मृण्मूर्ति कला वीथिका** में मृण्मूर्तियों का सम्पूर्ण इतिहास एवं इतिहास में उनके योगदान को कालानुक्रम के अनुसार रेखांकित एवं प्रदर्शित किया गया है। उल्लेखनीय है कि मिट्टी से निर्मित मूर्तियों, मृदभाण्डों, ईटों आदि का अध्ययन मृण्मूर्ति कला के अन्तर्गत आता है।
- **मुद्रा एवं पदक वीथिका** में प्राचीन भारत की सर्वप्रथम मुद्रा आहत मुद्राओं से लेकर कुषाणकालीन, गुप्तकालीन, मध्यकालीन मुद्राओं व ब्रिटिश कालीन पदकों को प्रदर्शित किया गया है जो भारत में मुद्रा के चलन एवं विकासक्रम को दर्शाता है।
- **प्राकृतिक विज्ञान वीथिका** में विभिन्न प्रकार के वन्य जीवों के साथ–साथ विभिन्न प्रकार के खनिज पदार्थ, पत्थर, वृक्षों के तनें व उनकी छालों को प्रदर्शित करते हुए उनके विषय में विस्तृत जानकारी दी गयी है। वीथिका में उत्तर प्रदेश की थारू जनजाति के रहन–सहन, व्यवसाय, कृषि, मछली पालन आदि के अतिरिक्त वन, रेगिस्तान, नदी, पारिस्थितिकी तंत्र के सम्बंध में भी विस्तृत जानकारी प्राप्त होती है। इसी वीथिका में आर्कटिक क्षेत्र में पाये जाने वाले वालरस, पेंग्विन एवं पोलन बीयर के अतिरिक्त मछली, खरगोश, मधुमक्खी, तितली, रेशम का कीड़ा आदि के जीवन चक्र को भी प्रदर्शित किया गया है।

माननीय संस्कृति एवं पर्यटन राज्य मंत्री (स्व.प्र.)
डॉ. नीलकंठ तिवारी द्वारा मुद्रा एवं पदक वीथिका का निरीक्षण

उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व विभाग, लखनऊ

वृहद अनुरक्षण कार्य :

- कोठी गुलिस्तान–ए–इरम, लखनऊ।
- कोठी दर्शन विलास, लखनऊ।
- कोठी रोशनुददौला, लखनऊ।
- कोठी लाल बारादरी भवन, लखनऊ।
- कुसुमवन सरोवर, मथुरा।
- चुनार किला, मिर्जापुर।
- आलमबाग भवन एवं गेट जनपद लखनऊ।

कुसुम वन सरोवर

चुनार फोर्ट

उ0प्र0 राज्य पुरातत्व विभाग द्वारा प्रदेश की मूर्त सांस्कृतिक विरासत के अभिन्न अंग राज्य संरक्षित स्मारकों के परिरक्षण, संरक्षण के अतिरिक्त पुरातात्विक सर्वेक्षण, उत्खनन कार्य पर अत्यधिक बल दिया जा रहा है। विभिन्न जनपदों के 22 स्थलों में पुरातात्विक सर्वेक्षण का कार्य किया गया। प्रमुख सर्वेक्षण कार्य का विवरण निम्नवत् है:–

- जनपद रायबरेली, हाथरस एवं बरेली में ग्राम्य स्तरीय पुरातात्विक सर्वेक्षण।
- जनपद जौनपुर, बस्ती, झांसी में पुरातात्विक सर्वेक्षण का कार्य कराया गया।
- 86 राज्य संरक्षित स्मारकों पर अनुरक्षण का कार्य भी कराया गया।
- प्रमुख स्मारकों का विवरण निम्नवत् है:–
- वजीरगंज (गोण्डा) की बारादरी
- जनानाघाट बुर्जी (शुक्ला तालाब, कानपुर देहात)
- संत कबीरदास जी की समाधि एवं मजार, मगहर, संत कबीर नगर
- पोतरा कुण्ड, रसखान समाधि, मथुरा
- गुरूधाम मंदिर एवं कर्दमेश्वर महादेव मंदिर, वाराणसी
- गुप्तार घाट, अयोध्या

गुप्तार घाट, अयोध्या

राज्य संरक्षित स्मारकों का सामान्य अनुरक्षण कार्य :

- बन्तीखेड़ा के गुम्बद, शामली।
- सोंख का टीला व पोतरा कुण्ड, कुसुमवन सरोवर पर शिलालेखों की स्थापना का कार्य, रसखान की समाधि एवं गोपीनाथ मन्दिर, मथुरा।
- राजा सहसपाल के टीला, सहारनपुर।
- शुक्ला तालाब के जनानाघाट, बुर्जी एवं शिव मन्दिर, कानपुर देहात।
- बालाबेहट के दरवाजों के लिए ग्रिलगेट का निर्माण, सोरई किला तथा गोंडवानी मन्दिर, बालावेहट किले में विद्यमान कुएं की सफाई, स्थलीय संग्रहालय, ललितपुर।
- लक्ष्मी मन्दिर, झांसी।
- गुरूधाम मन्दिर के नौवतखाना, वाराणसी।
- अकबर का शिकारगाह, किरावली, आगरा।

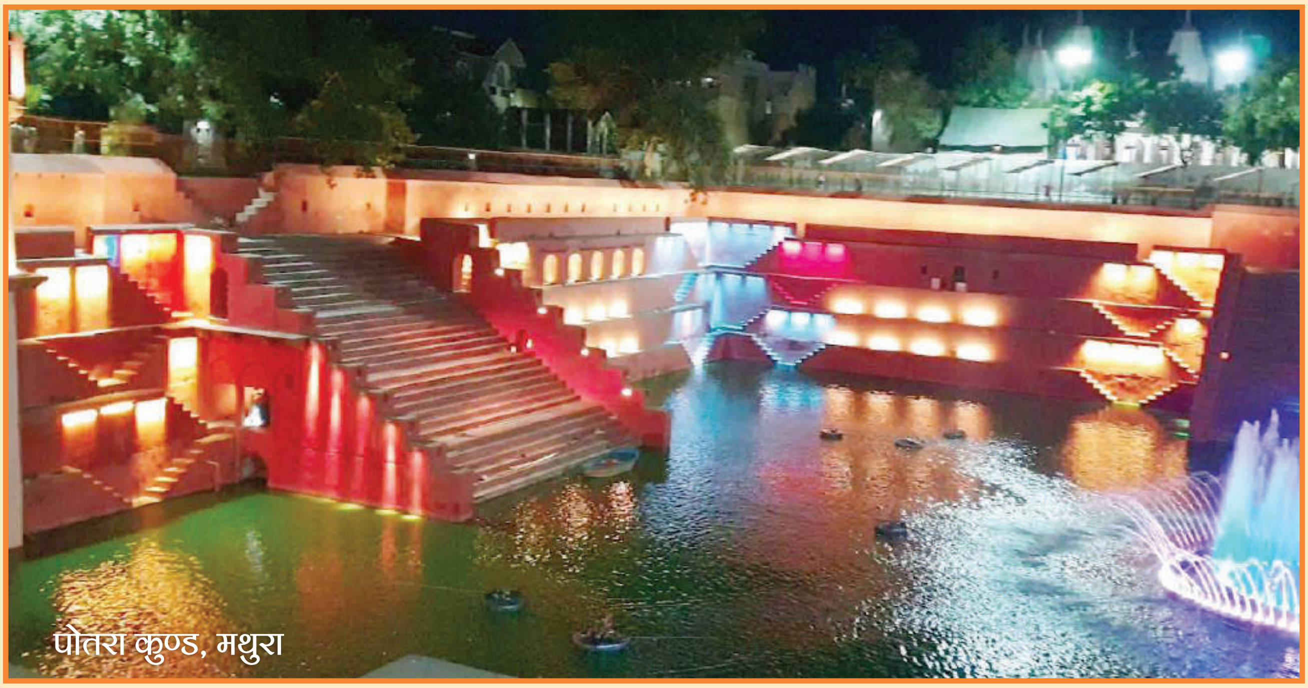
पोतरा कुण्ड, मथुरा

- विभागीय वार्षिक शोध पत्रिका–'प्राग्धारा' के अंक क्रमश: 25, 26 एवं 27 तथा अन्य पत्रिकाओं का प्रकाशन भी कराया गया।
- पुरातात्विक उत्खनन से प्राप्त लौह/कॉपर पुरावशेषों आदि का रसायनिक उपचार भी किया गया।
- शैक्षिक गतिविधियों के अन्तर्गत सामान्यजन विशेषकर विद्यार्थियों एवं युवा वर्ग के सक्रिय सहयोग से व्याख्यान/संगोष्ठी, छायाचित्र प्रदर्शनी, चित्रकला प्रतियोगिता आदि शैक्षिक कार्यक्रम भी आयोजित किये गये।
- 'एडाप्ट हेरिटेज नीति', सन् 2021 का सम्यक् क्रियान्वयन भी किया जा रहा है।

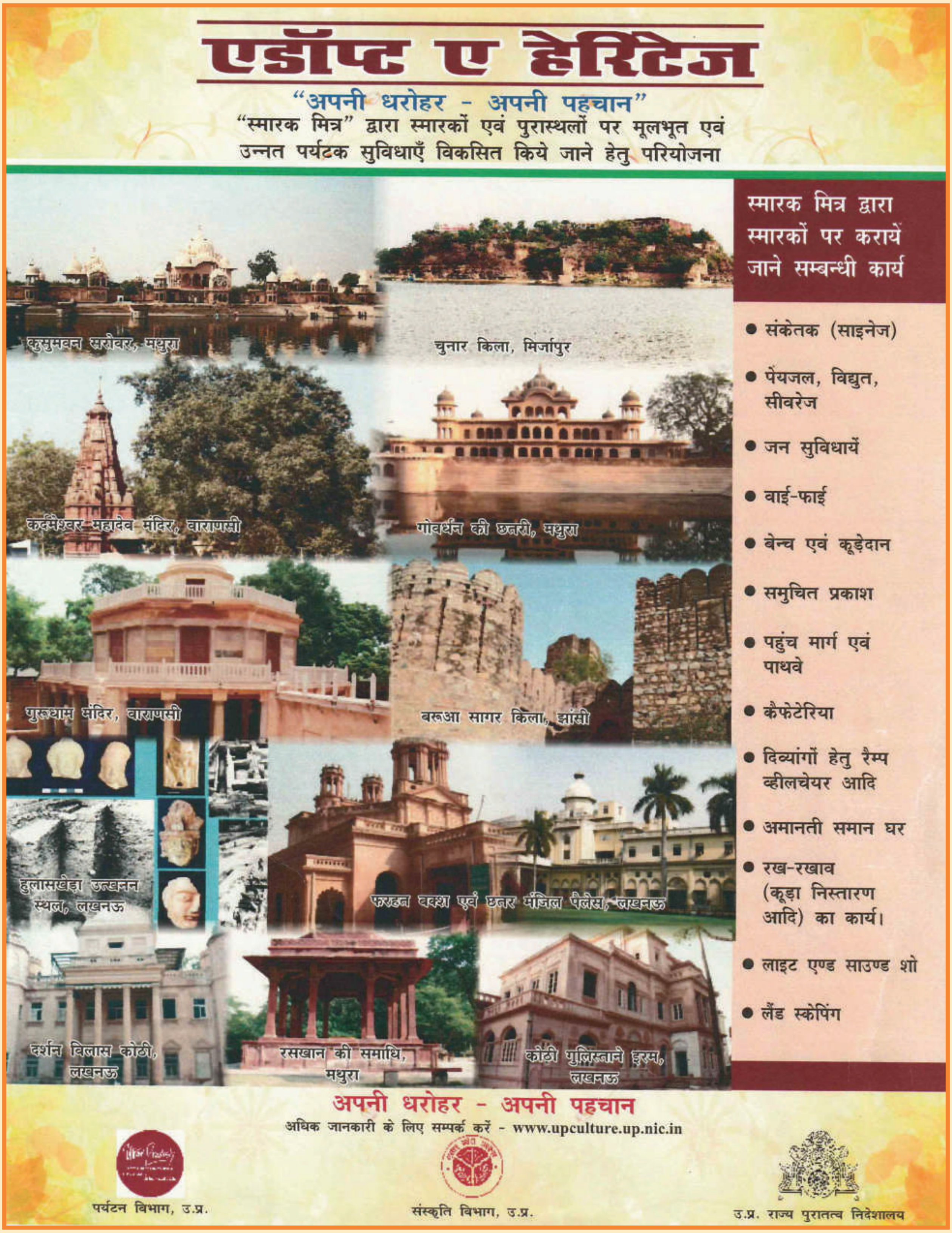

प्रकाशन

संस्कृति विभाग एवं उसकी स्वायत्तशासी संस्थाओं द्वारा संस्कृति के संरक्षण एवं संवर्धन की दृष्टि से विभिन्न प्रकार की पुस्तके, फोल्डर, कॉफी टेबलबुक इत्यादि का प्रकाशन कराया जाता है।

4.5 वर्षों की उपलब्धियाँ

आज़ादी का अमृत महोत्सव

संस्कृति विभाग, उत्तर प्रदेश

नवम तल, जवाहर भवन, लखनऊ

फोन : 0522 – 2286672

वेबसाइट : upculture.nic.in

ईमेल : directorcultureup@gmail.com
culture.up@nic.in